सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
YouTube

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 01, अंक 310, नई दिल्ली । शुक्रवार, 19 जनवरी 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

सफलता अनुभव से आती है और अनुभव हमेशा बुरे अनुभव से आता है ।

03 दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक में फर्जी लैब टेस्ट से जुड़ी याचिका हाईकोर्ट में खारिज
06 स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार की जरूरत
08 श्रीराम दीपावली को लेकर तैयारियां जारी, अर्चना चिटनिस ने की मंदिर साफ-सफाई

दिल्ली-एनसीआर प्लानिंग क्षेत्र में ग्रेप 3 पाबन्दी को हटाया गया

माननीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने अपने आदेश दिनांक 18 जनवरी 2024 के माध्यम से जीआरएपी के चरण-III के तहत कार्रवाई के लिए दिनांक 14.01.2023 को जारी आदेश को तत्काल प्रभाव से रद्द करने का निर्देश दिया है।

उपरोक्त के मद्देनजर, एचएस III चलाने के लिए प्रतिबंध लगाए गए हैं। पेट्रोल और बीएस IV. दिल्ली के एनसीटी के अधिकार क्षेत्र में डीजल एलएमवी (चार पहिया वाहन) को अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है।

संजय बाटला

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के 18 जनवरी, 2024 के आदेश के तहत दिल्ली एनसीआर में संशोधित श्रेणीबद्ध कार्य योजना के चरण- III ('गंभीर वायु गुणवत्ता) के तहत कार्रवाई को रद्द कर दिया गया।

जीआरएपी के तहत कार्रवाई शुरू करने के लिए उप समिति। माननीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने अपने आदेश दिनांक 18 जनवरी 2024 के माध्यम से जीआरएपी के चरण-III के तहत कार्रवाई के लिए दिनांक 14.01.2023 को जारी आदेश को तत्काल प्रभाव से रद्द करने का निर्देश दिया है।

उपरोक्त के मद्देनजर, एचएस III चलाने के लिए प्रतिबंध लगाए गए हैं। पेट्रोल और बीएस IV. दिल्ली के एनसीटी के अधिकार क्षेत्र में डीजल एलएमवी (चार पहिया वाहन) को अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है।

यह सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से जारी किया जाता है

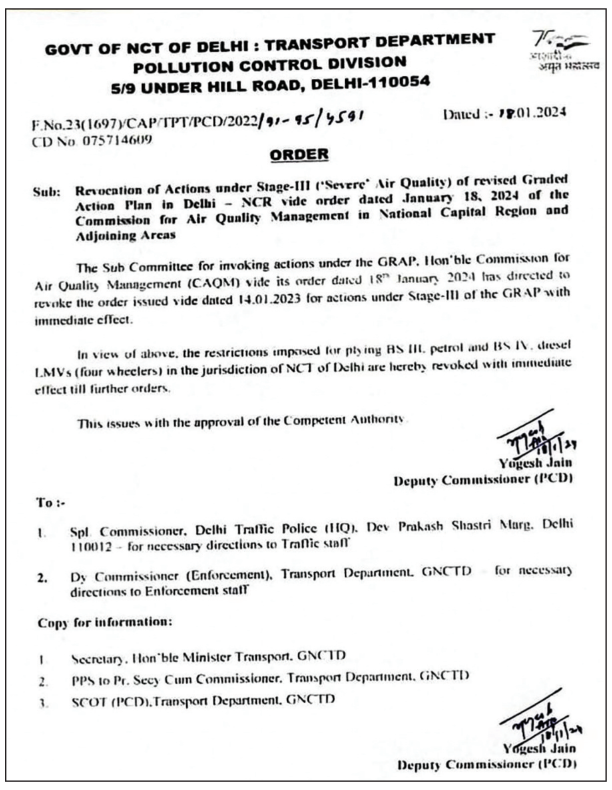

GOVT OF NCT OF DELHI : TRANSPORT DEPARTMENT
POLLUTION CONTROL DIVISION
5/9 UNDER HILL ROAD, DELHI-110054

F.No.23(1697)/CAP/TPT/PCD/2022/91-95/4591
CD No. 075714609

Dated :- 18.01.2024

ORDER

Sub: Revocation of Actions under Stage-III ('Severe' Air Quality) of revised Graded Action Plan in Delhi – NCR vide order dated January 18, 2024 of the Commission for Air Quality Management in National Capital Region and Adjoining Areas

The Sub Committee for invoking actions under the GRAP, Hon'ble Commission for Air Quality Management (CAQM) vide its order dated 18th January 2024 has directed to revoke the order issued vide dated 14.01.2023 for actions under Stage-III of the GRAP with immediate effect.

In view of above, the restrictions imposed for plying BS III, petrol and BS IV, diesel LMVs (four wheelers) in the jurisdiction of NCT of Delhi are hereby revoked with immediate effect till further orders.

This issues with the approval of the Competent Authority.

Yogesh Jain
Deputy Commissioner (PCD)

To :-

1. Spl. Commissioner, Delhi Traffic Police (HQ), Dev Prakash Shastri Marg, Delhi 110012 – for necessary directions to Traffic staff
2. Dy Commissioner (Enforcement), Transport Department, GNCTD – for necessary directions to Enforcement staff

Copy for information:

1. Secretary, Hon'ble Minister Transport, GNCTD
2. PPS to Pr. Secy Cum Commissioner, Transport Department, GNCTD
3. SCOT (PCD), Transport Department, GNCTD

Yogesh Jain
Deputy Commissioner (PCD)

परिवहन विशेष
देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र
Title Code : DELHIN28985
PARIVAHAN VISHESH NEWS

1. Web Portal https://www.newsparivahan.com/
2. facebook https://www.facebook.com/newsparivahan00
3. Twitter https://twitter.com/newsparivahan
4. Linkedin https://www.linkedin.com/in/news-parivahan-169680298/
5. Instagram https://www.instagram.com/news_parivahan/
6. Youtube https://www.youtube.com/@NewsParivahan

पर आप सभी के लिए 24 घण्टे उपलब्ध

3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, A-4 पश्चिम विहार, नई दिल्ली : 110063
सम्पर्क : 9212122095, 9811732095

www.newsparivahan.com, www.newstransport.in
Info@newsparivahan. com, news@newsparivahan.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

सार्वजनिक सुरक्षा के लिए मोटर वाहन नियमों में बदलाव की मांग

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रांसपोर्ट डेवलपमेंट द्वारका में आयोजित कार्यशाला का उद्देश्य सभी हितधारकों के लिए स्थायी प्रशिक्षण मॉड्यूल पर ध्यान केंद्रित करते हुए सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों और मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण स्कूलों के बीच चर्चा को बढ़ावा देकर इस मुद्दे का समाधान करना है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। सड़क सुरक्षा में, वैश्विक निष्कर्षों और एमओआरटीएच विश्लेषण से संकेत मिलता है कि मानवीय त्रुटि 82% दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण है, भारत सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों में लगातार उच्च स्थान पर है। वाणिज्यिक ड्राइवरों के लिए प्रशिक्षण को अनिवार्य करने वाले केंद्रीय मोटर वाहन नियमों के बावजूद, केवल 2.5% को औपचारिक निर्देश प्राप्त होते हैं, और मोटर साइकिल और कार चालकों पर ध्यान नहीं दिया जाता है, जिससे चिंताएं पैदा होती हैं।

एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रांसपोर्ट डेवलपमेंट द्वारका में आयोजित कार्यशाला का उद्देश्य सभी हितधारकों के लिए स्थायी प्रशिक्षण मॉड्यूल पर ध्यान केंद्रित करते हुए सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों और मोटर ड्राइविंग प्रशिक्षण स्कूलों के बीच चर्चा को बढ़ावा देकर इस मुद्दे का समाधान करना है। कार्यशाला में लगभग 300 हितधारकों और विशेषज्ञों ने भाग लिया। लक्ष्य है प्रशिक्षण की गुणवत्ता में वृद्धि करना, यह सुनिश्चित करना कि प्रत्येक लाइसेंस आकांक्षी को व्यापक और संगठित निर्देश मिले।

सरकार से सार्वजनिक सुरक्षा के लिए मोटर साइकिल और मोटर कारों में औपचारिक ड्राइविंग और सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण को शामिल करने के लिए सीएमवीआर, नियम 14 में संशोधन पर विचार करने का आग्रह किया गया है, जबकि सुरक्षित ड्राइविंग को प्रोत्साहित करने और सिमुलेटर और गुणवत्ता प्रशिक्षकों जैसे संसाधन प्रदान करने की पहल पर प्रकाश डाला गया है।

इसका उद्देश्य ड्राइविंग परीक्षण में पारदर्शिता के लिए शून्य सहिष्णुता हासिल करना है, अंततः भारत को विश्व स्तर पर प्रशंसित ड्राइवरों के निर्माता के रूप में स्थापित करना है। यह भी मांग की गई थी कि पंचायत नेटवर्क के माध्यम से गांवों में साइकिल चालकों और पैदल यात्रियों के लिए सड़क सुरक्षा मॉड्यूल की भी मांग की जाए। इस अवसर पर रामशंकर पांडे फिक्की, अखिलेश श्रीवास्तव सीआईआई, टी सूर्य किरण सीआईआरटी, अरिहंदम लाहरी एएसडीसी, वेंकटेश गुलाटी फाडा, बीएन पुरी एआईटीडी, अनिल छिकारा पूर्व उप आयुक्त आदि विशेषज्ञों ने संबोधित किया और एजेंडे का समाधान किया।

आशीष कुंद्रा को मिला एक और महत्वपूर्ण पद

आईएएस आशीष कुंद्रा को गुरुवार को उपराज्यपाल दिल्ली के प्रिंसिपल सचिव का कार्यभार भी सोपा गया। परिवहन विभाग के प्रिंसिपल सचिव के पद पर पिछले 3 साल से भी अधिक समय से कार्यरत और साथ ही प्रिंसिपल सचिव आई एंड एफसी का कार्य देखने के साथ ही आज उपराज्यपाल दिल्ली के प्रिंसिपल सचिव के कार्यभार सोपा गया।

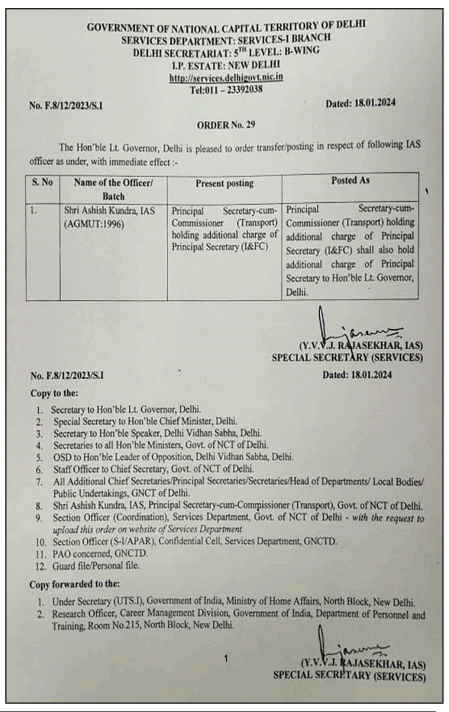

GOVERNMENT OF NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI
SERVICES DEPARTMENT: SERVICES-I BRANCH
DELHI SECRETARIAT: 5TH LEVEL: B-WING
I.P. ESTATE: NEW DELHI
http://services.delhigovt.nic.in
Tel:011 – 23392038

No. F.8/12/2023/S.I — Dated: 18.01.2024

ORDER No. 29

The Hon'ble Lt. Governor, Delhi is pleased to order transfer/posting in respect of following IAS officer as under, with immediate effect :-

S. No	Name of the Officer/ Batch	Present posting	Posted As
1.	Shri Ashish Kundra, IAS (AGMUT:1996)	Principal Secretary-cum-Commissioner (Transport) holding additional charge of Principal Secretary (I&FC)	Principal Secretary-cum-Commissioner (Transport) holding additional charge of Principal Secretary (I&FC) shall also hold additional charge of Principal Secretary to Hon'ble Lt. Governor, Delhi.

(Y.V.V.J. RAJASEKHAR, IAS)
SPECIAL SECRETARY (SERVICES)

No. F.8/12/2023/S.I — Dated: 18.01.2024

Copy to the:

1. Secretary to Hon'ble Lt. Governor, Delhi.
2. Special Secretary to Hon'ble Chief Minister, Delhi.
3. Secretary to Hon'ble Speaker, Delhi Vidhan Sabha, Delhi.
4. Secretaries to all Hon'ble Ministers, Govt. of NCT of Delhi.
5. OSD to Hon'ble Leader of Opposition, Delhi Vidhan Sabha, Delhi.
6. Staff Officer to Chief Secretary, Govt. of NCT of Delhi.
7. All Additional Chief Secretaries/Principal Secretaries/Secretaries/Head of Departments/ Local Bodies/ Public Undertakings, GNCT of Delhi.
8. Shri Ashish Kundra, IAS, Principal Secretary-cum-Commissioner (Transport), Govt. of NCT of Delhi.
9. Section Officer (Coordination), Services Department, Govt. of NCT of Delhi - *with the request to upload this order on website of Services Department.*
10. Section Officer (S-I/APAR), Confidential Cell, Services Department, GNCTD.
11. PAO concerned, GNCTD.
12. Guard file/Personal file.

Copy forwarded to the:

1. Under Secretary (UTS.I), Government of India, Ministry of Home Affairs, North Block, New Delhi.
2. Research Officer, Career Management Division, Government of India, Department of Personnel and Training, Room No.215, North Block, New Delhi.

1

(Y.V.V.J. RAJASEKHAR, IAS)
SPECIAL SECRETARY (SERVICES)

दिल्ली मेट्रो में सफर करने वाले ध्यान दें! सुरक्षा जांच का बदल गया नियम; सिक्योरिटी चेकिंग में लगेगा ज्यादा समय

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर दिल्ली मेट्रो के स्टेशनों पर सुरक्षा बढ़ाने का फैसला किया गया है। इस वजह से शुक्रवार से मेट्रो स्टेशनों पर प्रवेश से पहले यात्रियों की सख्त सुरक्षा जांच होगी। इस दौरान यात्रियों को तीन स्तरीय सुरक्षा जांच से गुजरना पड़ेगा।

चेकिंग के दौरान लगेगा अधिक समय

इस वजह से मेट्रो स्टेशनों पर सामान्य दिनों के मुकाबले सुरक्षा जांच में अधिक समय लग सकता है। इसके मद्देनजर दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने यात्रियों से सुरक्षा कर्मियों के साथ सहयोग करने की अपील की है। साथ ही यह भी कहा है कि यात्री घर से अतिरिक्त समय लेकर निकलें। ताकि स्टेशनों पर सुरक्षा जांच के कारण लगने वाली लाइन के कारण यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में ज्यादा विलंब न होने पाए। सामान्य दिनों में मेट्रो स्टेशनों पर यात्रियों की दो स्तरीय सुरक्षा जांच की जाती है, लेकिन अभी सभी मेट्रो स्टेशनों पर लगे मेटल डिटेक्टर गेट के पहले भी सीआईएसएफ के जवान मौजूद रहेंगे।

तीन स्तरीय होगी सुरक्षा जांच

इसलिए मेट्रो स्टेशनों पर पहले सीआईएसएफ के जवान हाथ से सभी यात्रियों की सुरक्षा जांच करेंगे। इसके बाद यात्रियों को मेटल डिटेक्टर से गुजरना होगा। इसके बाद सुरक्षा कर्मी दोबारा सुरक्षा जांच करेंगे। इस प्रक्रिया में थोड़ा वक्त लग सकता है। इस वजह से सुबह व शाम को व्यस्त समय में कई मेट्रो स्टेशनों पर यात्रियों की लंबी लाइन लग सकती है। इससे यात्रियों को 15 से 25 मिनट तक लाइन में सुरक्षा जांच के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। 26 जनवरी तक मेट्रो स्टेशनों पर सुरक्षा जांच को लेकर यह सख्ती रहेगी।

मेट्रो में सफर करने वालों के लिए जरूरी बातें-

घर से अतिरिक्त समय लेकर निकलें।
चेकिंग के दौरान ज्यादा समय लगेगा।
तीन बार यात्रियों की चेकिंग की जाएगी।

22 जनवरी को पूरे देश में होगी आधे दिन की छुट्टी, केंद्र सरकार ने किया ऐलान

परिवहन विशेष न्यूज

22 जनवरी को पूरे देश में आधे दिन की छुट्टी रहेगी. केंद्र सरकार द्वारा 22 जनवरी को आधे दिन की छुट्टी का आदेश जारी किया गया है.इस दिन अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की जानी है. इस दिन होने वाले कार्यक्रम को लेकर लोगों की मांग थी की छुट्टी घोषित की जाए ताकि लोग इस दिन घर से भी कार्यक्रम को टीवी पर देख पाएं. जिसके बाद हीं इसको लेकर 22 जनवरी के दिन आधे दिन की छुट्टी की घोषणा की गई है. इस दिन छुट्टी को लेकर केंद्र सरकार ने पत्र जारी कर जानकारी दी है. पत्र में कहा गया है कि कर्मचारियों की भारी भावना और उनके अनुरोध के कारण केंद्र सरकार ने आधे दिन की छुट्टी का ऐलान किया है. इस अवसर पर पूरे भारत में सभी केंद्रीय सरकारी कार्यालयों, केंद्रीय संस्थानों और केंद्रीय औद्योगिक प्रतिष्ठानों में 22 जनवरी को दोपहर 2:30 बजे तक आधे दिन की छुट्टी रहेगी. राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर 22 जनवरी को दोपहर लगभग 12.30 बजे मुहूर्त होगा. इससे पहले पूजा विधि शुरू कर दी गई है।

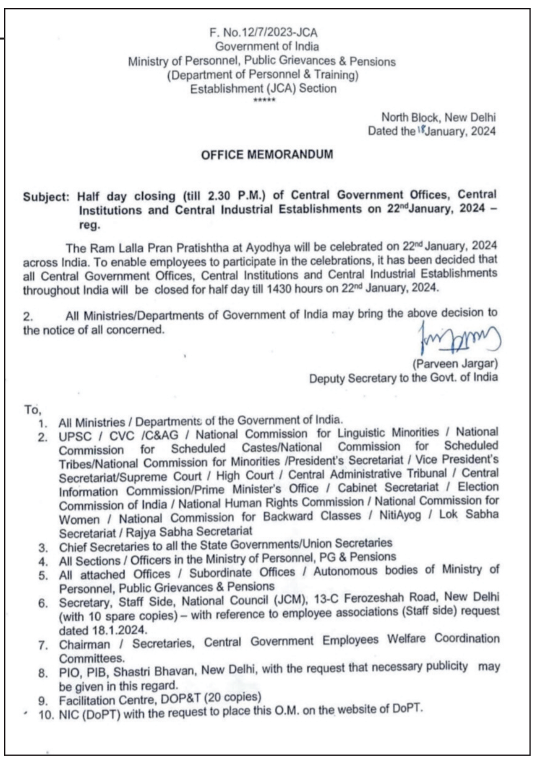

F. No.12/7/2023-JCA
Government of India
Ministry of Personnel, Public Grievances & Pensions
(Department of Personnel & Training)
Establishment (JCA) Section
*****

North Block, New Delhi
Dated the 18 January, 2024

OFFICE MEMORANDUM

Subject: Half day closing (till 2.30 P.M.) of Central Government Offices, Central Institutions and Central Industrial Establishments on 22nd January, 2024 – reg.

The Ram Lalla Pran Pratishtha at Ayodhya will be celebrated on 22nd January, 2024 across India. To enable employees to participate in the celebrations, it has been decided that all Central Government Offices, Central Institutions and Central Industrial Establishments throughout India will be closed for half day till 1430 hours on 22nd January, 2024.

2. All Ministries/Departments of Government of India may bring the above decision to the notice of all concerned.

(Parveen Jargar)
Deputy Secretary to the Govt. of India

To,

1. All Ministries / Departments of the Government of India.
2. UPSC / CVC /C&AG / National Commission for Linguistic Minorities / National Commission for Scheduled Castes/National Commission for Scheduled Tribes/National Commission for Minorities /President's Secretariat / Vice President's Secretariat/Supreme Court / High Court / Central Administrative Tribunal / Central Information Commission/Prime Minister's Office / Cabinet Secretariat / Election Commission of India / National Human Rights Commission / National Commission for Women / National Commission for Backward Classes / NitiAyog / Lok Sabha Secretariat / Rajya Sabha Secretariat
3. Chief Secretaries to all the State Governments/Union Secretaries
4. All Sections / Officers in the Ministry of Personnel, PG & Pensions
5. All attached Offices / Subordinate Offices / Autonomous bodies of Ministry of Personnel, Public Grievances & Pensions
6. Secretary, Staff Side, National Council (JCM), 13-C Ferozeshah Road, New Delhi (with 10 spare copies) – with reference to employee associations (Staff side) request dated 18.1.2024.
7. Chairman / Secretaries, Central Government Employees Welfare Coordination Committees.
8. PIO, PIB, Shastri Bhavan, New Delhi, with the request that necessary publicity may be given in this regard.
9. Facilitation Centre, DOP&T (20 copies)
10. NIC (DoPT) with the request to place this O.M. on the website of DoPT.

गुरु गोविंद सिंह जी दे प्रकाश उत्सव पर विशेष भंडारे एवम लंगर का आयोजन

18 जनवरी 2024 को राष्ट्रीय ट्रक आपरेटर वेलफेयर एसोसिएशन के संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर टीम के उपाध्यक्ष प्रिंस के द्वारा संजय गांधी ट्रांसपोर्ट नगर में गुरु गोविंद सिंह जी दे प्रकाश उत्सव पर विशेष भंडारे एवम लंगर का आयोजन किया गया। इज लंगर में सभी ड्राइवर और वाहन मालिक अपने दलबल के साथ पहुंचे और बाबा जी का लंगर प्रसाद छका।

इनसाइड

गृहणियों में बढ़ रहा है मेंटल स्ट्रेस, एक्सपर्ट्स ने बताया खुश रहने का तरीका

बाहर जा कर काम करने वाली महिलाओं के पास फिर भी बाहर जाकर अपनी बात कहने का या मूड बदलने का एक ऑप्शन होता है, लेकिन हाउसवाइफ के साथ ऐसा नहीं है. ऐसे में वो घर में ही गुस्से में, द्वंद्व में, झुंझलाहट में या चिंता में पड़ी रहती हैं.

पूरे घर को संभालने वाली (गृहणी/हाउसवाइफ) हमारी मां या पत्नी घर के हर एक सदस्य की जरूरत का ख्याल रखती हैं. उनका पूरा दिन घर की चार दीवारी में ही शुरू होता है और उसी में खत्म हो जाता है. सुबह से रात तक उनकी यही कोशिश रहती है कि किसी भी सदस्य को घर में कई तकलीफ न हो. ये सब वो किसके लिए करतीं हैं? अपने परिवार के लिए, परिवार की खुशियों के लिए. फिर जब कभी वो जरा गुस्सा हो जाती हैं, तो हम उन्हें गलत समझने लगते हैं. लेकिन क्या कभी सोचा है कि वो भी कितनी तरह के तनाव से जूझ रही है? उनकी मेंटल हेल्थ के बारे में कभी बात की है? ओनली माई हेल्थ की न्यूज रिपोर्ट के अनुसार, बाहर जा कर काम करने वाली महिलाओं के पास फिर भी बाहर जाकर अपनी बात कहने का या मूड बदलने का एक ऑप्शन होता है, लेकिन हाउसवाइफ के साथ ऐसा नहीं है. ऐसे में वो घर में ही गुस्से में, द्वंद्व में, झुंझलाहट में या चिंता में पड़ी रहती हैं. इस रिपोर्ट में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट (Clinical Psychologist) डॉ. प्रज्ञा मलिका (Dr. Pragya Malika) का कहना है कि हाउसवाइफ में तनाव कई वजहों से होता है. ऐसी स्थिति में वे अकेले रहने लग जाती हैं. परिवार में जब कॉन्फ्लिक्ट्स (झगड़े और विवाद) बढ़ते हैं तो वे एडजस्टमेंट की ओर जाते हैं. जब ये मुद्दे हल नहीं हो पाते तो सुसाइड, तलाक या अन्य मेंटल डिसऑर्डर (Mental Disorder) में बदल जाते हैं. इसे ही दुष्चक्र या विशियस साइकल (Vicious Cycle) कहते हैं. डॉ. प्रज्ञा के मुताबिक हाउसवाइफ इन तरीकों को अपनाकर खुश रह सकती हैं.

अपनी हॉबीज को करें याद

डॉ प्रज्ञा का कहना है कि अक्सर महिलाएं घर के काम में उलझकर अपनी हॉबीज (शौक) को भूल जाती हैं. जब ये निराशा या कुंठा बढ़ने लग जाए, तो अपने हुनर को याद करें. वो काम जिसे आप पूरे मजे के साथ करते थे, वो दोबारा करें. खुद सोचें कि आपको क्या करने में अच्छा लगता है. ऐसा करने से आत्मविश्वास बढ़ेगा.

परेशानी का कारण ढूंढे

डॉ. प्रज्ञा के मुताबिक हाउसवाइफ को ये देखना पड़ेगा कि उन्हें परेशानी किस बात से हो रही है. जब परेशानी की वजह मालूम हो जाए, तब उस पर काम करें. उस परेशानी को मैनेज करें. दरअसल, महिलाओं की टेंशन की एक वजह ये भी है कि महिला और पुरुष का दिमाग थोड़ा अलग तरह से काम करता है. जैसे महिलाएं इमोशनल होकर सोचती हैं और पुरुष लॉजिस्टिक तरीके से सोचते हैं.

नए दोस्त बनाएं

हाउसवाइफ अपने स्ट्रेस को कम करने के लिए नए दोस्त बना सकती हैं. अपने घर के आसपास, रिश्तेदारों में या स्कूल-कॉलेज के दोस्तों के संपर्क में रहें और उनसे बात करते रहना भी कई बार इस स्ट्रेस से निकलने में मदद करता है.

अपने लिए टाइम निकालें

एक हाउसवाइफ होने के नाते आप क्या चाहती हैं? हाउसवाइफ होने के नाते आपके कुछ सपने होते हैं. तो यहां उन्हें सोचने की जरूरत है कि आप क्या चाहती हैं. खुद को खुश रखने के लिए अपना मी टाइम निकालें.

कुछ चीजों को हालात पर छोड़ दें

डॉ. प्रज्ञा का कहना है कि जिस सिचुएशन में आप कुछ कर नहीं सकतीं. जो हालात आपके बस से बाहर हैं, तो उन पर न सोचें.

काफी कोशिशों के बाद भी नहीं बढ़ रहा है वजन, महिलाएं फॉलो करें ये टिप्स, तेजी से होगा वेट गेन

कार्बोहाइड्रेट युक्त चीजें खाकर महिलाएं आसानी से वेट गेन कर सकती हैं

दुबली-पतली महिलाएं आमतौर पर वेट गेन करने के लिए अनगिनत नुस्खे आजमाती हैं, मगर हेल्दी डाइट फॉलो करने के बावजूद भी कई बार वजन नहीं बढ़ पाता है. ऐसे में कुछ नेचुरल सप्लीमेंट्स का सेवन महिलाओं के लिए बेस्ट हो सकता है.

स्लिम एंड ट्रिम लुक कैरी करने के लिए महिलाएं कई तरीके अपनाती हैं. इसके बावजूद कुछ महिलाएं मोटापे का शिकार होने लगती हैं. तो वहीं कुछ महिलाएं ऐसी भी होती हैं, जो अपने दुबलेपन को लेकर परेशान रहती हैं. अगर आपका वजन काफी कम है तो कुछ नेचुरल सप्लीमेंट्स लेना आपके लिए बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकता है. इन चीजों को डाइट में शामिल करके आप आसानी से वेट गेन (Weight gain tips) कर सकती हैं.
पतली और दुबली महिलाएं अक्सर अपने फिगर को लेकर टेंशन में रहती हैं. वहीं पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेने के बाद भी कई बार महिलाओं का वजन बढ़ने का नाम नहीं लेता है. ऐसे में कुछ नेचुरल सप्लीमेंट्स का सेवन आपको वेट गेन करने में मदद कर सकता है. तो आइए ओन्लीमाईहेल्थ डॉट कॉम के अनुसार, जानते हैं वजन बढ़ाने के कुछ आसान टिप्स, जिसे फॉलो करके महिलाएं खुद को फिट और हेल्दी रख सकती हैं.

प्रोटीन का सेवन करें

नेचुरल तरीके से वजन बढ़ाने के लिए प्रोटीन को बॉडी का बेस्ट सप्लीमेंट माना जाता है. खासकर प्लांट बेस्ड प्रोटीन में शुगर और फैट भरपूर मात्रा में मौजूद रहता है, जिससे मसल्स बिल्डिंग में काफी मदद मिलती है और शरीर का मेटाबॉलिज्म रेट बढ़ने लगता है. ऐसे में आप भी पनीर, फुल क्रीम मिल्क, दही और दूध जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स को डाइट में शामिल कर सकती हैं. साथ ही चिकन, अंडा, लाल मीट, मिल्क पाउडर और प्रोटीन पाउडर जैसी चीजों से आप आसानी से वेट गेन कर सकती हैं.

फैट रिच डाइट लें

वजन बढ़ाने के लिए महिलाएं फैट से भरपूर चीजों को डाइट में एड कर सकती हैं. ऐसे में घी, मक्खन, नट्स और गुड फैट से भरपूर चीजों का सेवन करना महिलाओं के लिए बेस्ट होता है. इससे शरीर में कैलोरी की मात्रा बढ़ती है और महिलाओं के वजन में भी इजाफा देखने को मिलने लगता है.

कार्बोहाइड्रेट युक्त चीजें खाएं

कार्बोहाइड्रेट से भरपूर चीजें बॉडी में कैलोरी इन टेक को बढ़ावा देती हैं. जिससे वजन तेजी से बढ़ने लगता है. ऐसे में वेट गेन करने के लिए महिलाएं आलू, शकरकंद, ओट्स, ग्रेन और ब्राउन राइस का सेवन कर सकती हैं. वहीं घी और बटर से युक्त चीजें खाने से भी वेट गेन फास्ट होने लगता है.

वजन ना बढ़ने के कारण

महिलाओं में वजन ना बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं. दरअसल कई बार महिलाओं के शरीर में न्यूट्रिएंट्स पूरी तरह से एब्जॉर्ब नहीं हो पाते हैं, जिसके चलते हेल्दी डाइट लेने के बावजूद महिलाओं के शरीर में पोषक तत्वों की कमी देखने को मिलती है और उनका वजन कम रहता है. इसके अलावा इंफ्लेमेटरी डिजीज, ऑटोइम्यून डिजीज और हाइपोथायरॉयडिजम के चलते भी महिलाओं का वजन नहीं बढ़ता है.

पुरुषों की तुलना में महिलाओं में हो जाती है इन विटामिंस की कमी

पुरुषों की तुलना में अक्सर ये देखा जाता है कि महिलाओं में आयरन, फॉलिक एसिड, विटामिन डी, विटामिन बी12 जैसे जरूरी तत्वों की कमी हो जाती है. अगर महिलाएं खुद की सेहत का ख्याल रखें तो प्रेगनेंसी या मेनोपॉज के दौरान समस्याओं से बच सकती है. आइए जानते हैं कि किन विटामिन की कमी महिलाओं में अक्सर देखने को मिलती है.

अक्सर महिलाओं की ये शिकायत रहती है कि रात भर सोने के बावजूद थकान महसूस करती हैं या उन्हें हर वक्त कमजोरी का अनुभव होता है. इन समस्याओं को वे लंबे समय तक नजरअंदाज करती जाती हैं जो आगे चलकर बड़ी बीमारियों की वजह बन जाता है. अगर महिलाएं अपनी सेहत का ध्यान रखें और शरीर में विटामिन्स और मिनरल्स की कमी की आपूर्ति के लिए हेल्दी डाइट लें तो जीवन भर हेल्दी जीवन जी सकती हैं.

वुमनहेल्थ के मुताबिक, दरअसल, अच्छे स्वास्थ्य के लिए शरीर को विटामिन और खनिजों की आवश्यकता पड़ती है. हर विटामिन और मिनरल्स के अपने अलग फायदे हैं जो शरीर के अलग अलग कामों को पूरा करने में मदद करते हैं. लेकिन कई वजहों से महिलाओं में पुरुषों की तुलना में कुछ खास तरह के विटामिन और खनिजों की कमी पाई जाती है. यहां हम आपको बता रहे हैं कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं को किन विटामिन की कमी हो जाती है और वे किस तरह इन्हें पूरा कर सकती हैं.

पुरुषों की तुलना में महिलाओं में इन विटामिन्स की हो जाती है कमी

फॉलिक एसिड या विटामिन बी9

फॉलिक एसिड शरीर में ब्लड सेल्स बनाने और डीएनए क्रिएट करने का काम करता है. यह भ्रूण के बेहतर विकास के लिए बहुत जरूरी है. इसकी कमी से प्रीमेच्योर बर्थ या जन्म के समय कम वजन होने का खतरा हो सकता है. ऐसे में प्रेग्नेंट महिलाओं को रोजाना 400 से 800 एमसीजी फॉलिक एसिड डायटरी सप्लीमेंट के रूप में दिया जाता है. इसकी आपूर्ति के लिए आप हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, अनाज, नट्स, चिकन आदि का नियमित सेवन करें.

विटामिन बी12

विटामिन बी12 ब्लड सेल्स और ब्रेन न्यूरॉन बनाने का काम करता है. यह भी प्रेगनेंसी में जरूरी होता है. इसके अलावा जो महिलाएं शाकाहारी हैं और जिनकी उम्र 50 से अधिक है उन्हें विटामिन बी12 की कमी हो सकती है. इसके लिए आप मिल्क, अंडा, चीज, चिकन, लीवर आदि डाइट में शामिल कर सकती हैं.

विटामिन डी

शरीर में कैल्शियम के अवशोषण के लिए विटामिन डी जरूरी होता है. यह इम्यूनिटी को भी बढ़ाता है. जबकि सूरज की रौशनी से स्किन का डायरेक्ट संपर्क ना होने की वजह से महिलाओं में विटामिन डी की काफी कमी पाई जाती है. इसके लिए आप सप्लीमेंट का इस्तेमाल कर सकती हैं.

कैल्शियम

लड़कियों को ग्रोइंग एज में जहां 1300 एमजी कैल्शियम की जरूरत होती है, वहीं मेनोपॉज के बाद 1200 एमजी कैल्शियम की जरूरत होती है. लेकिन अधिकतर मामलों में महिलाओं में इसकी कमी पूरी नहीं हो पाती. इसके लिए आप कैल्शियम रिच फूड का सेवन करें और सप्लीमेंट का सेवन करें.

आयरन

महिलाओं में आयरन की कमी की समस्या भी काफी आम है. जिस वजह से उनके शरीर में ब्लड सेल्स की कमी हो जाती है और ऑक्सीजन सप्लाई सही तरीके से ना हो पाने के कारण कमजोरी, चक्कर आना जैसी समस्या होने लगती है. ऐसे में आप आयरन रिच चीजों को डाइट में शामिल करें.

अपनी बेटियों को करें प्रोत्साहित आत्मविश्वास भरना बेहद आवश्यक

आप आप एक बेटी के माता-पिता हैं तो ये बिलकुल भी ना सोचें कि वो एक बेटी होने के नाते जीवनभर संघर्ष करेगी। आप उसकी किसी ताकत या कमजोरी की धारणा बिलकुल ना बनाएं। उसकी खूबियों को प्रोत्साहित करने के साथ उसकी कमजोरियों को भी समय पर पहचानें और उसे सुधारने की कोशिश करें।

कहते हैं कि बेटियां अपने माता-पिता के लिए बेहद ख़ास होती हैं। जितनी वो खास होती हैं उतनी ही ख़ास उनकी देखभाल भी होती है। जैसे-जैसे बेटियां बड़ी होती जाती हैं, वैसे-वैसे उनके प्रति माता-पिता की जिम्मेदारी भी बढ़ती जाती है। बात अगर पुराने जमाने की करें तो पहले घर-परिवार में बेटियों के पैदा होने पर उन्हें शगुन और साक्षात देवी लक्ष्मी का रूप माना जाता था। लेकिन आज के समय में भी बेटियां अपने आत्मविश्वास से ऊंचे से ऊंचा आसमान छूने की प्रतिभा रखती हैं। आज के समय में उनका दर्जा लड़कों से कम नहीं है। ये सब कुछ उनके माता-पिता की परवरिश का नतीजा होता है, जिससे उनका सिर गर्व से ऊपर उठता है। बहुत से माता-पिता होते हैं जो अपने बच्चों की तरक्की देखना चाहते हैं। वो चाहते हैं कि उनकी बेटी हर दिशा में आगे बढ़े, चाहे वो कोई भी काम क्यों ना हो। यदि आप के घर में भी बेटी है तो आज का ये लेख खास आपके लिए है, जिसके जरिये हम आपको बताएंगे कि कैसे आप उसकी सही तरीके से परवरिश करें जिससे वो आत्मविश्वास से भरी रहे। तो चलिए फिर शुरू करते हैं।

1. बेटी को करें प्रोत्साहित–जब बेटी बड़ी होती है, तो उसकी जरूरतें भी अल्फ होती चली जाती हैं। आप उसे जमीन से जुड़े रहना सिखाएं। अगर वो आगे बढ़ाने के लिए अपने भविष्य को लेकर कुछ चुनाव करती है तो उसे हताश ना करें। उसका साथ दें। एक बच्चे के लिए उसके माता-पिता का साथ बेहद जरूरी होता है। आप उसे प्रोत्साहित करें। ताकि उसके अंदर का आत्मविश्वास कम ना हो।

2. बेटी की करें तारीफ- आप अपनी बेटी को बताएं की वो दुनिया की सबसे खूबसूरत लड़की है। उसके अंदर कोई भी कमी नहीं है। उकसे अंदर ऐसी बात है जो उसे बाकियों से जुदा बनाती है। इससे बिटिया का आत्मविश्वास और भी बढ़ेगा।

3. सीखने का दें अवसर–अगर बेटी को संगीत या किसी भी तरह की एक्टिविटी में इन्ट्रेस्ट हैं लेकिन वो इन में फिट नहीं बैठते। ऐसे में अगर आप उसका साथ नहीं देंगे तो उसका मनोबल टूटता चला जाएगा। उसे सीखने का अवसर जरुर दें। उसे अपनी असल प्रतिभा धीरे-धीरे खुद समझ आएगी और वो आगे बढ़ेगी।

4. बेटी को सिखाएं समाजिकता–बेटी को समाज और उससे जुड़ी बातों के बारे में सिखाएं। उसे सिखाएं कि अगर उससे कोई दोस्ती नहीं करता तो उसका क्या कारण हो सकता है। समाज के प्रति उसके अंदर नकारात्मकता ना भरें। वरना एक समय के बाद वो समाज को नकारात्मक नजरिये से देखने लगेगी। उसे सभी पहलुओं के बारे में जरुर सिखाएं।

5. बढाएं बेटी की क्षमता–अगर आपकी बेटी अपना होमवर्क कर रही है तो यूं ही उसकी मदद ना करें। वो जब तक आपसे मदद नहीं मांगती तब तक उसकी मदद मत करें। उसे उसकी क्षमता के अनुसार काम करने दें। उसे अपने दम में हमेशा आगे बढ़ने के लिए ही प्रोत्साहित करें।

6.ना थोपें अपनी मर्जी- आज के समय में बेटियां स्पोर्ट्स को ज्यादा पसंद कर रही हैं, और उसी में अपना भविष्य भी तय कर रही हैं। अगर वो एक जिमनास्टिक बनना चाहती है या फुटबॉल खेलना चाहती है तो उसे आगे बढ़ने दें, ना की अपना फैसला या अपनी चाह उसपर थोपें। आप ये जरुर पता लगा सकते हैं, कि वो किस खेल को खेलने के लिए ज्यादा सक्षम है। आप खुद उसके लिए कोई खेल तय ना करें।

7. मत बनाइए कमजोर–आप आप एक बेटी के माता-पिता हैं तो ये बिलकुल भी ना सोचें कि वो एक बेटी होने के नाते जीवनभर संघर्ष करेगी। आप उसकी किसी ताकत या कमजोरी की धारणा बिलकुल ना बनाएं। उसकी खूबियों को प्रोत्साहित करने के साथ उसकी कमजोरियों को भी समय पर पहचानें और उसे सुधारने की कोशिश करें।

8. सेक्सिज्म के लिए करें तैयार- बहुत लोगों की सोच है कि बेटियां वो काम नहीं कर सकती जो बेटे कर सकते हैं। अगर आप अपनी बेटी को वो टीवी शो या फ़ल्मिें देखते हुए नोटिस करते हैं जो पूरी गर्ल्स पर आधारित होती है तो उसे समझिये और उसे सेक्सिज्म के लिए तैयार करें।

9. बेटी को दिखाएं रोल मॉडल- अक्सर ऐसा होता है जब भी आप कोई न्यूज़ देखते या पढ़ते हैं तो उसमें आपको कई महिलाएं सीनेटरी, खिलाड़ी, चिकित्सक या एथलीट दिखेंगी। ये अच्छा तरीका होता है अपनी बेटी को इन महिलाओं के बारे में दिखाना और समझाना। आप इम्नें से कोई भी अपनी बेटी के लिए रोल मॉडल चुनने में उसकी मदद कर सकते हैं।

तो ये कुछ ऐसी खास टिप्स हैं, जिनकी मदद से आप अपनी बिटिया को अच्छी परवरिश देने के साथ उसमें आत्मविश्वास भर सकते हैं। अगर आपकी भी बेटी है तो आप हमारी बताई हुई टिप्स को जरुर आजमाएं। आपको इससे बेहतर परिणाम मिलेगा।

सुधार के बाद भी हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में, फिलहाल राहत के आसार नहीं; एक्यूआई 300 के पार

दिल्ली की वायु गुणवत्ता में गुरुवार को कुछ सुधार हुआ लेकिन हवा अभी भी बहुत खराब श्रेणी में ही है। अगले तीन दिन तक एक्यूआई बहुत खराब या खराब श्रेणी में बने रहने की संभावना है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक बृहस्पतिवार को दिल्ली का एक्यूआई 318 रहा। बीते चौबीस घंटे के भीतर इसमें 50 अंकों का सुधार हुआ है।

नई दिल्ली। दिल्ली की वायु गुणवत्ता में बृहस्पतिवार को कुछ सुधार तो हुआ, लेकिन हवा अभी भी 'बहुत खराब' श्रेणी में ही है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगले तीन दिन तक एक्यूआई 'बहुत खराब' या 'खराब' श्रेणी में बने रहने की संभावना है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, बृहस्पतिवार को दिल्ली का एक्यूआई 318 रहा। इस स्तर की हवा को 'बहुत खराब' श्रेणी में रखा जाता है। एक दिन पहले बुधवार को यह 368 था। चौबीस घंटे के भीतर इसमें 50 अंकों का सुधार हुआ है। दिल्ली का कोई भी इलाका बृहस्पतिवार को 400 के ऊपर यानी 'गंभीर' श्रेणी में नहीं रहा, जो कि राहत की बात है।

हवा की दिशा में बदलाव होने, दिनभर तेज धूप निकलने और तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी के चलते प्रदूषक कणों का बिखराव थोड़ा तेज हुआ है। इससे प्रदूषण की स्थिति में सुधार देखने को मिल रहा है।

दिल्ली के लोगों को प्रदूषण से मुक्ति नहीं

दूसरी तरफ हवा में अभी भी मानकों से लगभग सवा दो गुना ज्यादा प्रदूषक कण मौजूद हैं। मानकों के मुताबिक, हवा में प्रदूषक कण 10 का स्तर 100 से और पीएम 2.5 का स्तर 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से कम होना चाहिए। लेकिन बृहस्पतिवार की शाम पांच बजे दिल्ली की हवा में पीएम 10 का औसत स्तर 224 और पीएम 2.5 का औसत स्तर 130 रहा। वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली का अनुमान है कि अभी दिल्ली के लोगों को प्रदूषित हवा से राहत मिलने के आसार नहीं हैं।

यहां की हवा सबसे खराब

आनंद विहार	369
वजीरपुर	372
बवाना	368
रोहिणी	368
नरेला	363

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

दो दिन कैसा रहेगा दिल्ली-NCR का मौसम? ठंड को लेकर IMD का बड़ा अपडेट

Delhi-NCR Weather बृहस्पतिवार को भी सुबह के समय दिल्ली के विभिन्न इलाकों में घना कोहरा छाया रहा। आईजीआई एयरपोर्ट पर घने कोहरे के चलते दृश्यता का स्तर सुबह साढ़े पांच बजे 50 मीटर तक गिर गया। अलबत्ता दिन चढ़ने के साथ कोहरा छंटने लगा और दृश्यता के स्तर में सुधार हुआ। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिनों में....

नई दिल्ली। मौसम के उतार चढ़ाव के बीच दिल्ली के न्यूनतम तापमान में बीते चार दिनों में लगभग तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, सर्द हवाओं के चलते मौसम में गलन अभी भी बनी हुई है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों के लिए भी कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है।

सुबह 09 बजे के बाद खिली धूप

बृहस्पतिवार को भी सुबह के समय दिल्ली के विभिन्न इलाकों में घना कोहरा छाया रहा। आईजीआई एयरपोर्ट पर घने कोहरे के चलते दृश्यता का स्तर सुबह साढ़े पांच बजे 50 मीटर तक गिर गया। अलबत्ता, दिन चढ़ने के साथ कोहरा छंटने लगा और दृश्यता के स्तर में सुधार हुआ। नौ बजे के बाद खिली हुई धूप निकलने लगी।

सुबह और शाम के समय रही गलन

इससे मौसम थोड़ा खुशनुमा तो हुआ, लेकिन पहाड़ी क्षेत्रों से आने वाली हवाओं के चलते सुबह और शाम के समय गलन का एहसास बना रहा। दिल्ली का अधिकतम तापमान 18.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। जबकि न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री सेल्सियस रहा। दोनों ही सामान्य से एक-एक डिग्री कम रहे। हवा में नमी का स्तर 100 से 56 प्रतिशत तक रहा।

मयूर विहार क्षेत्र में दिन के समय सबसे ज्यादा ठंड रही। यहां का अधिकतम तापमान 14.8 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि, नरेला क्षेत्र का अधिकतम तापमान 16.1 डिग्री सेल्सियस रहा। रिज क्षेत्र की सुबह सबसे ज्यादा ठंडी रही। यहां का न्यूनतम तापमान 5.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

दो दिन के लिए येलो अलर्ट

मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिनों के बीच भी सुबह के समय घने कोहरे की स्थिति बनी रहेगी। इसे देखते हुए शुक्रवार और शनिवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 18 और न्यूनतम तापमान छह डिग्री सेल्सियस रहने के आसार हैं। आसमान साफ बने रहने के आसार हैं।

दिल्ली में लाखों लोगों को मिलेगी जाम से राहत, समय भी बचेगा; जल्द चालू होने जा रहा ये अंडरपास

पिछले चार दिनों में न्यूनतम पारा

18 जनवरी-6.6 डिग्री सेल्सियस
17 जनवरी-5.7 डिग्री सेल्सियस
16 जनवरी-3.5 डिग्री सेल्सियस
15 जनवरी-3.3 डिग्री सेल्सियस

'मानहानि केस में MS धोनी को करें सूचित', दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया आदेश

दिल्ली हाई कोर्ट मानहानि के मुकदमे के संबंध में दिल्ली हाई कोर्ट ने महेंद्र सिंह धौनी को सूचित करने का हाई कोर्ट रजिस्ट्री को निर्देश दिया। वादियों ने धौनी को उनके विरुद्ध मानहानिकारक झूठी बातें बनाने प्रकाशित करने प्रसारित करने से रोकने का निर्देश देने की मांग की है। साथ ही सुनवाई 29 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दो पूर्व बिजनेस पार्टनर्स द्वारा दायर मानहानि के मुकदमे के संबंध में दिल्ली हाई कोर्ट ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धौनी को सूचित करने का हाई कोर्ट रजिस्ट्री को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति प्रतिबा एम सिंह की पीठ मामले की सुनवाई कर रही थी।

पीठ को बताया गया कि धौनी को वादी द्वारा याचिका नहीं दी गई है। इस पर अदालत ने मौखिक रूप से वादी पक्ष से धौनी को वादपत्र की प्रति देने के लिए भी कहा। साथ ही सुनवाई 29 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी। वादी और पूर्व बिजनेस पार्टनर मिहिर दिवाकर और उनकी पत्नी सौम्या दास ने धौनी, कई इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म और मीडिया घरानों के खिलाफ स्थायी निषेधाज्ञा के साथ ही हर्जाना देने का निर्देश देने की मांग की है। वादियों ने धौनी को उनके विरुद्ध मानहानिकारक, झूठी बातें बनाने, प्रकाशित करने, प्रसारित करने से रोकने का निर्देश देने की मांग की है।

पीतमपुरा के एक मकान में लगी भीषण आग, पांच लोगों की मौत; कई बेहोश

दिल्ली के पीतमपुरा में स्थित एक चार मंजिला मकान में बृहस्पतिवार रात भीषण आग लग गई। आग की इस घटना में 05 लोगों के मौत की आशंका है। बताया जा रहा है कि पुलिस और दमकल कर्मचारियों ने आधा दर्जन लोगों को रेस्क्यू किया है। यह भी जानकारी मिली है कि कई लोग बेहोशी की हालत में हैं। दमकल विभाग के कर्मचारियों ने आग को नियंत्रित कर लिया है

बाहरी दिल्ली। पीतमपुरा के जेडपी-ब्लॉक स्थित चार मंजिला मकान में बृहस्पतिवार रात भीषण आग लग गई। आग की इस घटना में 05 लोगों के मौत की आशंका है। बताया जा रहा है कि पुलिस और दमकल कर्मचारियों ने आधा दर्जन लोगों को रेस्क्यू किया है। लोगों को इमारत से बाहर निकालकर आसपास के अस्पतालों में उपचार के लिए भेज दिया गया है। यह भी जानकारी मिली है कि कई लोग बेहोशी की हालत में हैं। दमकल विभाग की आठ गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि इमारत में धुआं ज्यादा भरा हुआ है, इसलिए अभी स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। यह आग स्टील व्यापारी सुभाष गुप्ता के मकान में लगी है।

दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिक में फर्जी लैब टेस्ट से जुड़ी याचिका हाईकोर्ट में खारिज, कोर्ट की निगरानी में जांच की थी मांग

दिल्ली में मोहल्ला क्लीनिकों में किए जा रहे फर्जी लैबोरेटरी टेस्ट के आरोपों की अदालत की निगरानी में जांच कराने की मांग वाली जनहित याचिका दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दी। कोर्ट ने यह कहते हुए आवेदन पर विचार करने से इनकार कर दिया कि मामला पहले ही केंद्रीय जांच एजेंसी को भेजा जा चुका है और अदालत द्वारा कोई आदेश पारित करने की आवश्यकता नहीं है।

दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में स्थापित मोहल्ला क्लीनिकों में किए जा रहे फर्जी लैबोरेटरी टेस्ट के आरोपों की अदालत की निगरानी में जांच कराने की मांग वाली जनहित याचिका दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दी।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने यह कहते हुए आवेदन पर विचार करने से इनकार कर दिया कि मामला पहले ही केंद्रीय जांच एजेंसी को भेजा जा चुका है और अदालत द्वारा कोई आदेश पारित करने की आवश्यकता नहीं है। सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार के स्थायी वकील (सिविल) संतोष कुमार त्रिपाठी और वकील अरुण पंवार ने कहा कि सरकार को अदालत की निगरानी में जांच पर कोई आपत्ति नहीं है।

अयोग्य तकनीशियनों द्वारा प्रबंधन का आरोप

दिल्ली में अनधिकृत पैथोलाजिकल लैब और डायग्नोस्टिक सेंटरों को बंद करने की मांग करने वाली एक लंबित जनहित याचिका पर याचिकाकर्ता बेजोन कुमार मिश्रा ने आवेदन दायर किया है। बेजोन कुमार मिश्रा की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता शशांक देव सुधि ने आरोप लगाया कि मोहल्ला क्लीनिक में इसका प्रबंधन अयोग्य तकनीशियनों द्वारा किया जा रहा है।

पनी मासूम छवी से करोडों दर्शको के दिलों पर छाप छोडने वाले पंकज त्रिपाठी ने' मैं अटल हूं' को भी बाखूबी निभाया है।

राजनीति के पटल पर' मैं अटल हूं' परदे पर आज...

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी। इस सदी के सिंपल, बिना लाग लपेट के अभिनय की दुनियां का न्यारा पंकज त्रिपाठी अभिनीत फिल्म 'मैं अटल हूं' आज से बडे पर्दे पर रिलीज हो रही है। उनके अभिनय के मुरीद 'गैंग्स आफ वसे पुर, मसलन, अंग्रेजी मीडियम, अपहरण, जैसी फिल्मों से चकाचौंध भरी बालीवुड में अपनी जगह बनाने वाले पंकज त्रिपाठी ने पूर्व प्रधानमंत्री रहे अटल बिहारी वाजपेयी को शीशे में उतार लिया है।

अपनी मासूम छवी से करोडों दर्शको के दिलों पर छाप छोडने वाले पंकज त्रिपाठी ने' मैं अटल हूं' को भी बाखूबी निभाया है। इस फिल्म का दूसरा पक्ष इस फिल्म के रिलीजिंग वक्त को लेकर राजनीतिक छत्रपों को रास नहीं आ रहा है। दरअसल लोकसभा चुनाव 2024 से पहले अटल जी की तस्वीर और उनका राम मंदिर के लिए योगदान भी सीधे-तौर पर जनमानस को बीजेपी की और खींचेगा। क्योंकि अब फिल्म की असलियत से पर्दा उठने वाला है। इस बात से विपक्षियों का दिल बैठा जा रहा है। फिल्म में महात्मा गांधी

की हत्या, अटल वाजपेई के पॉलिटिकल स्ट्रगल, इमर्जेंसी और इस दौरान इंदिरा गांधी का विरोध, बाबरी मस्जिद विध्वंस, पोखरण परमाणु परीक्षण, और कारगिल युद्ध को दिखाया गया है। इस सच्चाई के चलते कांग्रेस में खासी बेचैनी पैदा कर रही है। इसका सीधा असर 2024 के होने वाले चुनाव पर पडता दिखाई दे रहा है। इस बात का पूरा अंदेशा है कि पूरे देश में 'मैं अटल हूं' फिल्म पर रोक लगाने के लिए विपक्षी दल लामबंद भी हो सकते हैं। इस पर रोक के लिए कोर्ट का रूख भी कर सकते हैं। पंकज त्रिपाठी अभिनीत इस फिल्म में पंकज ने अपने अटल करेक्टर के साथ न्याय किया है। उन्होने मिमिक्री से दूर अपनी कला का बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

उल्लेखनीय है कि पंकज त्रिपाठी गोपाल गंज, बिहार से हैं। नई दिल्ली स्थित एनएसडी से थिएटर में डिप्लोमा किया। अपने अभिनय की शुरूआत टीवी शौ से की। 60 के करीब टीवी सीरियल में काम किया। ।2004 में बाहुबली टीवी सीरियल से मिली ख्याति। इसके बाद आबकारी, मकान, बरेली की बर्फी, फिल्मों में भूमिकाए निभाई। नेशनल अवार्ड, फिल्म फेयर अवार्ड, आइफा अवार्ड, राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से अब तक नवाजे जा चुके है। कहते हैं कि हर पुरूष की तरक्की के पीछे स्त्री का हाथ होता है। पंकज ने मेहनती स्वाभिमानी टीचर पत्नी मृदुला से विवाह किया। पंकज के जीवन संघर्ष में पत्नी मृदुला ने ट्यूशन कर-कर पंकज का साथ दिया। आज वह जिस मकाम पर है, उसका श्रेय मृदुला को देते नहीं थकते।

राम जन्मभूमि मंदिर पर 6 स्मारक डाक टिकट जारी

परिवहन विशेष। एसडी सेठी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में होने जा रहे राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह अभियान के तहत गुरूवार को श्री राम जन्मभूमि मंदिर को समर्पित छह विशेष स्मारक डाक टिकट जारी किए। इस अवसर पर पीएम मोदी ने अपने संदेश में कहा कि सबसे मुश्किल कालखंड में भी त्याग, एकता और साहस दिखाने वाली रामायण, अनेक मुश्किलों में भी प्रेम की जीत सिखाने वाली रामायण पूरी मानवता को खुद से जोडती है। यही कारण है कि दुनियां के विभिन्न देशो और और विभिन्न संस्कृतियों में रामायण को लेकर एक उत्साह रहा है। और पूरे विश्व में भगवान श्री राम माता सीता और रामायण को बहुत गौरव से देखा जाता है। पीएम मोदी ने कहा कि जब आप किसी डाक टिकट को जारी करते हैं और जब कोई इसे किसी को भेजता है तो वह सिर्फ पत्र या सामान नहीं भेजता वे सहज रूप से इतिहास के किसी अंश को भी किसी दूसरे तक पहुंचा देता है। ये टिकट महज कागज का टुकडा नहीं है, ये टिकट केवल कोई कलाकृतियों के रूप और इतिहासकार स्थलों के सबसे छोटा रूप भी होते हैं।

यात्रीगण कृपया ध्यान दें... अयोध्या जाने वालीं बसों पर लिखा है राम

परिवहन निगम ने भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अयोध्या धाम के लिए रोजाना कुल 50 बसों को चलाने की योजना बनाई है। इनमें से 22 गाजियाबाद रीजन व बाकी 28 बसें अन्य रीजन की हैं। कौशांबी डिपो से अयोध्या जाने वाली बसों पर प्रस्थान बोर्ड लगाने के साथ ही राम लिख दिया गया है। इससे लोगों को बसों की पहचान करने में आसानी होगी।

साहिबाबाद। श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा को लेकर चारों ओर उत्साह नजर आ रहा है। हर कोई 22 जनवरी का इंतजार कर रहा है। लोगों की आस्था को ध्यान में रखते हुए परिवहन निगम ने अयोध्या धाम जाने वाली बसों पर आगे-पीछे "राम" लिखवा दिया है और पब्लिक एनाउंसमेंट सिस्टम में यह आवाज सुनाई दे रही है "यात्रीगण कृपया ध्यान दें, जिन बसों पर राम लिखा है वह अयोध्या जाएंगी। परिवहन निगम ने भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अयोध्या धाम के लिए रोजाना कुल 50 बसों को चलाने की योजना बनाई है। इनमें से 22 गाजियाबाद रीजन व बाकी 28 बसें अन्य रीजन की हैं।

यात्रियों को हेल्प डेस्क जाने की नहीं पड़ेगी जरूरत

कौशांबी डिपो से अयोध्या जाने वाली बसों पर प्रस्थान बोर्ड लगाने के साथ ही राम लिख दिया गया है। श्रीराम भक्तों की इस पर नजर पड़ने से ही उन्हें पता चल जाएगा की यह बस अयोध्या जाएगी। इससे उन्हें हेल्प डेस्क पर जानकारी लेने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। परिवहन निगम के अधिकारियों का कहना है कि लोगों की आस्था को ध्यान में रखते हुए विभिन्न स्तरों पर तैयारी की जा रही है। अयोध्या की बस लगते ही एनाउंसमेंट होना शुरू हो जाएगा। इसमें उन्हें बस नंबर बताने के साथ ही प्रस्थान का समय भी बताया जाएगा।

बसों के लिए बनाया गया विशेष प्लेटफार्म

अयोध्या धाम जाने वाली बसों के लिए कौशांबी बस अड्डा पर विशेष प्लेटफार्म निर्धारित कर दिया गया है। यहां पर केवल अयोध्या की बसें ही खड़ी होंगी। इससे अयोध्या जाने वाले यात्रियों के लिए आसानी होगी। उन्हें भटकना नहीं पड़ेगा। परिवहन निगम जल्द ही यहां बड़े बोर्ड भी लगाने की तैयारी कर रहा है।

मुख्य मार्गों पर था पुलिस का पहरा, पगडंडियों से होकर पहुंचे अयोध्या; नारायण सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष दिवाकर मिश्रा

परिवहन विशेष न्यूज

नारायण सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष दिवाकर मिश्रा परिवार सहित वसुंधरा सेक्टर-14 में रहते हैं। राम मंदिर आंदोलन के समय वह सरकारी नौकरी में थे। बावजूद इसके वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े थे। उन पर सूर्य नगर मंडल कार्यवाह का दायित्व था। दिवाकर मिश्रा बताते हैं कि वर्ष-1990 में श्रीराम मंदिर के लिए कारसेवा का आह्वान हुआ तो जिला कार्यवाह ने कारसेवकों को तैयार करने के लिए बैठक की।

गाजियाबाद। प्रभु श्रीराम का नाम सुनते ही मानों जीवन धन्य हो जाता है। उनका काज करने का सौभाग्य मिले तब तो जीवन ही सफल हो जाए। श्रीराम मंदिर के आंदोलन की जब शुरूआत हुई तो मन में ही लालसा थी। इसी का नतीजा रहा कि सरकारी नौकरी जाने की परवाह किए बगैर शिला पूजन से लेकर विवादित ढांचा के विध्वंस तक में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। वर्ष-1990 में मुख्य मार्गों पर पुलिस के पहरा रहा तो पगडंड़ियों और नहर की पटरी पकड़कर अयोध्या पहुंचकर कारसेवा की। वर्ष-1992 में विवादित ढांचा के विध्वंस में सहयोग करने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ।

नारायण सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष दिवाकर मिश्रा परिवार सहित वसुंधरा सेक्टर-14 में रहते हैं। राम मंदिर आंदोलन के समय वह सरकारी नौकरी में थे। बावजूद इसके वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े थे। उन पर सूर्य नगर मंडल कार्यवाह का दायित्व था। दिवाकर मिश्रा बताते हैं कि वर्ष-1990 में श्रीराम मंदिर के लिए कारसेवा का आह्वान हुआ तो जिला कार्यवाह ने कारसेवकों को तैयार करने के लिए बैठक की। इसके पहले शिला पूजन के समय बड़ी संख्या में लोगों ने कारसेवा करने के लिए हामी भरी थी। उन लोगों से संपर्क किया।

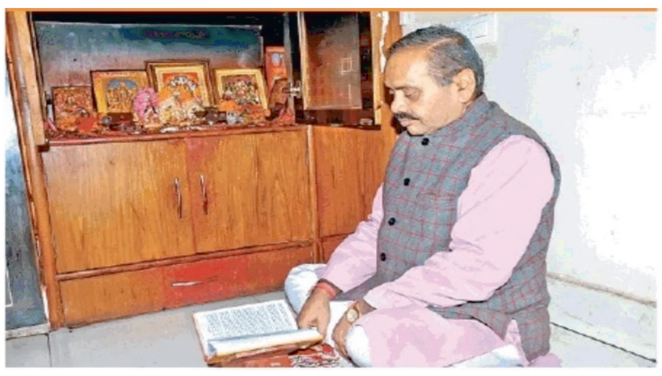

पगडंडियों और नहर की पटरी से होकर पहुंचे अयोध्या

सभी लोगों ने कारसेवा के लिए उत्साह दिखाया। 28 अक्टूबर 1990 को सरकारी नौकरी और दो मासूम बच्चों की चिंता किए अयोध्या के लिए निकल पड़े। ट्रेन के जनरल डिब्बों में अलग-अलग सवार होकर पुलिस से बचते-बचाते 29 अक्टूबर को लखनऊ पहुंचे। वहां संघ की ओर से एक धर्मशाला में ठहराया गया। पुलिस को इसकी जानकारी हो गई। वहां पहुंचकर पुलिस ने लाठी चार्ज किया तो पिकप से अन्य कारसेवकों के साथ अयोध्या के निकल पड़े। जगह-जगह पुलिस तैनात थी। इस वजह से रास्ते में ही पिकप छोड़ दी। पगडंड़ियों और नहर की पटरी का सहारा लेकर अयोध्या पहुंचे। चार दिसंबर को वहां सरयू स्नान व हनुमानगढ़ी का दर्शन करके वापस लौटे।

पांच दिसंबर 1992 की सुबह पहुंचे अयोध्या

दिवाकर मिश्रा बताते हैं कि पांच दिसंबर 1992 को वह दूसरी बार कारसेवा के लिए अयोध्या पहुंचे। दिनभर कैंप में रहे। छह दिसंबर की सुबह आठ बजे श्रीराम जन्मभूमि के पास लगे मंच के सामने पहुंच गए। वहां कारसेवकों की अपार भीड़ थी। उनका उत्साह चरम पर था। धीरे-धीरे विश्व हिंदू परिषद और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने जोशीले भाषण देने शुरू किए। इस बीच कारसेवकों का एक समूह विवादित ढांचे की ओर बढ़ा। कारसेवक ढांचे पर चढ़ गए। कारसेवकों ने ढांचे को चारों ओर से घेर लिया। उसकी एक-एक ईंट उखाड़नी शुरू कर दी।

जय श्रीराम का नारा लगाते हुए ईट ले गए

मंच से नेता उन्हें संयम और धैर्य से काम लेने की अपील करने लगे, लेकिन हम सभी कारसेवकों का धैर्य जवाब दे गया था। हम लोग ढांचे का अस्तित्व समाप्त करना चाहते थे। इस वजह से ढांचे को ढहाने में जुटे रहे। कुछ घंटों में ढांचा गिर गया। जय श्रीराम का नारा लगाते हुए तमाम कारसेवक ढांचे से निकली ईंट ले गए। ढांचे का नामोनिशान मिट गया। इसमें शामिल होना परम सौभाग्य रहा। अब भव्य श्रीराम मंदिर में प्रभु श्रीराम का आगमन हो रहा है।

यूपी के इस जिले में 500 करोड़ का जमीन घोटाला, सीएम योगी तक पहुंचा मामला तो लिया बड़ा एक्शन

परिवहन विशेष न्यूज

ग्रामीणों ने इसकी शिकायत तत्कालीन प्राधिकरण अधिकारियों से कई बार की थी। अधिकारियों ने कार्रवाई नहीं की तो ग्रामीणों ने इसकी शिकायत शासन से की। शासन ने प्राधिकरण को पत्र भेजकर अधिगृहित जमीन पर विला बनाने की जांच कराकर रिपोर्ट देने को कहा। बिसरख गांव के भूमि घोटला मुख्यमंत्री के संज्ञान में है इसलिए उन्होंने एक माह में कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 24 दिसंबर को गौतमबुद्ध विश्व विद्यालय के दीक्षांत समारोह में ग्रेटर नोएडा आए थे। तब उन्होंने अवैध निर्माण पर कड़ी नाराजगी जताई थी। बताया जाता है कि बिसरख गांव के भूमि घोटला मुख्यमंत्री के संज्ञान में है, इसलिए उन्होंने एक माह में कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

ग्रेटर नोएडा। बिसरख गांव में अधिगृहित जमीन पर करीब 300 करोड़ रुपये का भूमि घोटाला सामने आया है। कॉलोनाइजरों ने प्राधिकरण अधिकारियों से मिलीभगत कर अधिगृहित जमीन पर विला बनाकर बेच दिए। बदले में प्राधिकरण अधिकारियों को आंख मूंदने के लिए मोटी रकम मिली। यह घोटोला पिछले तीन से चार वर्षों के दौरान हुआ।

कई बार ग्रामीणों ने की शिकायत

ग्रामीणों ने इसकी शिकायत तत्कालीन प्राधिकरण अधिकारियों से कई बार की थी। अधिकारियों ने कार्रवाई नहीं की तो ग्रामीणों ने इसकी शिकायत शासन से की। शासन ने प्राधिकरण को पत्र भेजकर अधिगृहित जमीन पर विला बनाने की जांच कराकर रिपोर्ट देने को कहा। प्राधिकरण अधिकारियों ने तब अपनी रिपोर्ट में अधिगृहित जमीन पर विला न बनने की बात कहकर कॉलोनाइजरों की मदद कर दी। ग्रामीणों ने फिर से इसकी शिकायत की।

शासन ने कड़ा रूख अपनाते हुए जांच कर रिपोर्ट देने को कहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 24 दिसंबर को गौतमबुद्ध विश्व विद्यालय के दीक्षांत समारोह में ग्रेटर नोएडा आए थे। तब उन्होंने अवैध निर्माण पर कड़ी नाराजगी जताई थी। बताया जाता है कि बिसरख गांव के भूमि घोटला मुख्यमंत्री के संज्ञान में है, इसलिए उन्होंने एक माह में कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

सीएम के निर्देश पर हुई जांच

मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद प्राधिकरण के मौजूदा अधिकारियों ने गोपनीय तरीके से जांच कराई तो आरोप सही पाए गए हैं। प्राधिकरण की जांच में पर्दाफाश हुआ है, एक खसरा नंबर की 90 बीघा जमीन में से करीब 70 बीघा जमीन अधिगृहित हुई थी। बीस बीघा जमीन आबादी के नाम पर छोड़ी गई। शेष जमीन बिल्डर परियोजना के लिए आवंटित होने थी। प्राधिकरण की मौजूदा बिल्डर दर करीब 60 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर है।

बिल्डर को जमीन दी जाती तो बदले में प्राधिकरण को कम से कम कीमत 288 करोड़ मिलते, लेकिन इस जमीन को कॉलोनाजरों ने धोखे से अनजान लोगों को बेच दिया। उन्होंने अब अपने मकान बना लिए हैं। प्राधिकरण अब इन मकानों को ध्वस्त करने की योजना बना रहा है। जिन लोगों ने जमीन बेची, उनके विरूद्ध बिसरख कोतवाली में मामला दर्ज कराने की तैयारी हो गई है। उन पर गैंगस्टर की कार्रवाई भी हो सकती है।

अधिकारियों को मिली थी मोटी रकम

प्रदेश सरकार को कॉलोनाइजरों के नाम भेज दिए गए हैं। शासन की मंजूरी मिलते ही बड़े स्तर पर कार्रवाई होगी। इसी तरह बिसरख के कई अन्य खसरा नंबर, जो अधिगृहित हो चुके हैं, उन पर भी कॉलोनी काट दी गई है। प्राधिकरण ने कॉलोनी काटने वालों की सूची बनाकर जमीन को कब्जा मुक्त कराने की तैयारी शुरू कर दी है। पुलिस कमिश्नर से फोर्स मांगने के लिए पत्र भेजा जाएगा।

पुलिस बल मिलते ही मकानों को ध्वस्त किया जाएगा। कॉलोनाइजरों के विरूद्ध थाने में मामला दर्ज कराया जाएगा। इसकी कीमत भी करीब 200 करोड़ रुपये हैं। इससे पहले बिसरख गांव में हरनंदी के अंदर डूब क्षेत्र में प्राधिकरण द्वारा 300 करोड़ रुपये से खरीदी गई जमीन पर भी अवैध कालोनी काट दी गई। प्राधिकरण अधिकारियों को तब भी बदले में मोटी रकम मिली थी। प्राधिकरण अभी तक जमीन को खाली नहीं करा सका है।

प्राधिकरण अपनी अर्जित भूमि की एक-एक इंच जमीन को खलाई कराएगा। जिन लोगों ने अधिगृहित जमीन पर अवैध कॉलोनी, विला अथवा मकान बनाकर बेचे हैं, उन्हें छोड़ा नहीं जाएगा। मामला दर्ज कराकर जमीन को मुक्त कराया जाएगा।

-एनजी रवि, सीईओ, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

'राम के बिना भारत की कल्पना नहीं, प्राण प्रतिष्ठा का न्योता ठुकराने पर कांग्रेस के दिग्गज नेता ने कही ये बात

कांग्रेस समेत कई दलों ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण ठुकरा दिया है। कांग्रेस सपा समेत कई दल 22 जनवरी के कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का निमंत्रण अस्वीकार करने पर कांग्रेस के दिग्गज नेता ने बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि भगवान राम भारत की आत्मा हैं। भगवान राम के बिना भारत की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

नई दिल्ली। अयोध्या में 22 जनवरी को भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इसके लिए राजनीति, बॉलीबुड और खेल जगत के लोगों न्योता भेजा जा रहा है। वहीं, कांग्रेस समेत कई दलों ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण ठुकरा दिया है।

कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे कई दल

कांग्रेस, सपा समेत कई दल 22 जनवरी के कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। अयोध्या में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का निमंत्रण अस्वीकार करने पर कांग्रेस के दिग्गज नेता ने बड़ी बात कही है। कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने गुरुवार को कहा कि भगवान राम भारत की आत्मा हैं।

पुनर्विचार करना चाहिए- कांग्रेस नेता

उन्होंने कहा कि भगवान राम के बिना भारत की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए, मुझे लगता है कि निमंत्रण (प्राणप्रतिष्ठा का) अस्वीकार करना सही नहीं था और इस पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। बता दें कि कांग्रेस नेता प्रमोद कृष्णम को बुधवार को 22 जनवरी को होने वाले श्री रामजन्म भूमि मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण दिया।

प्रमोद कृष्णम को मिला न्योता

निमंत्रण मिलने पर उन्होंने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे इस अवसर का निमंत्रण मिला। इसके लिए मैं आयोजन से जुड़े सभी महानुभावों कि आभार व्यक्त करता हूं। आचार्य ने कहा कि एक तरफ श्रीराम मंदिर और दूसरी तरफ श्री कल्कि धाम में मंदिर का रास्ता प्रशस्त हुआ है।

राहुल गांधी की पिछली यात्रा से भी कांग्रेस को कोई फायदा नहीं हुआ था

ललित गर्ग

राहुल की यात्रा संकीर्ण एवं स्वार्थी उद्देश्यों से लिपटी है, जिसके दूरगामी परिणाम मिलना मुश्किल प्रतीत होता है। वैसे ऐसी यात्राओं से बहुत कुछ हासिल हो सकता है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पिछली यात्रा से न तो राहुल गांधी का कोई भला हुआ और न ही कांग्रेस का।

कांग्रेस के नेता एवं सांसद राहुल गांधी अपने एवं कांग्रेस के राजनीतिक धरातल को मजबूती देने के लिये एक बार फिर यात्रा का सहारा ले रहे हैं। 4000 किलोमीटर की 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद अब वे 6700 किलोमीटर की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' पर निकल चुके हैं। न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी 14 राज्यों के 85 ज़िलों से गुजरेंगे, यात्रा मणिपुर से शुरू होकर नगालैंड, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात से गुजरते महाराष्ट्र में मुंबई पर समाप्त होगी। कांग्रेस को जीवंतता देने एवं उसके पुनरुत्थान के लिए की जाने वाली इस यात्रा में इंडिया गठबंधन दलों एवं खुद कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से भीड़ जुटाने और नारे लगाने भर के लिए भागीदारी की अपेक्षा राजनीतिक संवेदनशीलता और परिपक्वता की परिचायक नहीं है। मात्र 2024 के आम चुनाव के लिये निकाली गयी यह यात्रा संकीर्ण एवं स्वार्थी उद्देश्यों से लिपटी है, जिसके दूरगामी परिणाम मिलना मुश्किल प्रतीत होता है। वैसे ऐसी यात्राओं से बहुत कुछ हासिल हो सकता है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पिछली यात्रा से न तो राहुल गांधी का कोई भला हुआ और न ही कांग्रेस का।

यह किसी से छिपा नहीं कि कांग्रेस हिंदी पट्टी के तीन राज्यों- मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में चुनाव जीतने में नाकाम रही। प्रश्न है कि इस बार ऐसा क्या अनोखा होने की आशा की जा सकती है?

भारत की माटी में पदयात्राओं का अनूठा इतिहास रहा है। असत्य पर सत्य की विजय हेतु मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम द्वारा की हुई लंका की ऐतिहासिक यात्रा हो अथवा एक मुट्ठी भर नमक से पूरा ब्रिटिश साम्राज्य हिला देने वाला 1930 का डाण्डी कूच, बाबा आमटे की भारत जोड़ो यात्रा हो अथवा राष्ट्रीय अखण्डता, साम्प्रदायिक सद्भाव और अन्तर्राष्ट्रीय भ्रातृत्व भाव से समर्पित एकता यात्रा, यात्रा के महत्व को अस्वीकार नहीं किया जा सकता। भारतीय जीवन में पैदल यात्रा को जन-सम्पर्क एवं सशक्त जनाधार जुटाने का प्रभावी माध्यम स्वीकारा गया है। ये पैदल यात्राएं सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक यथार्थ से सीधा साक्षात्कार करती हैं। लोक चेतना को उद्बुद्ध कर उसे युगानुकूल मोड़ देती हैं। भगवान्‌-महावीर ने अपने जीवनकाल में अनेक प्रदेशों में विहार कर वहां के जनमानस में अध्यात्म के बीज बोये थे। लेकिन इन यात्राओं की श्रृंखला में राहुल गांधी की यह राजनीतिक यात्रा नये राजनीतिक स्तस्तिक उकेरने में कितनी सफल होगी, यह भविष्य के गर्भ में हैं। मणिपुर से शुरू हुई भारत जोड़ो न्याय यात्रा राहुल गांधी की पिछली यात्रा का विस्तार ही है। अपने राजनीतिक कद को बढ़ाने के संकीर्ण एवं सीमित दायरों के कारण यात्रा का कोई चमत्कारी परिणाम मिलने में संदेह ही है। यात्राओं के जरिये राजनीतिक लाभ हासिल करने में कोई हर्ज नहीं लेकिन यदि भारत जोड़ो न्याय यात्रा कांग्रेस की है तो फिर उसका नेतृत्व सांसद राहुल गांधी के स्थान पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे क्यों नहीं कर रहे हैं? क्या यह एक तरह से परिवारवाद को नए सिरे से पोषण प्रदान करने के साथ इस बात को रेखांकित करने का प्रयास नहीं कि मल्लिकार्जुन खरगे बस नाम के अध्यक्ष हैं? कांग्रेस की दिक्क़त यह है कि उसके पास ऐसा कोई चमत्कारिक नेतृत्व नहीं रह गया है जिसके पीछे तमाम पार्टियाँ चुनावी वैतरणी पार कर जाएँ, या जिसकी एक आवाज़ पर सभी राजनीतिक दल साथ आ जाएँ। बिना राजनीतिक लाभ के विपक्षी दल कितना इस यात्रा में सहभागिता करेंगे, यह भी एक प्रश्न है।

'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' निकलने से पूर्व एवं निकलते ही कांग्रेस को बड़े झटके लग गये हैं। पहले महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता मिलिंद देवड़ा ने इस्तीफा दे दिया और अब असम में अपूर्व भट्टाचार्य ने कांग्रेस के सचिव पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके साथ ही इंडिया गठबंधन में बिखराव एवं टूटन की स्थितियां सीटों के प्रश्न पर बनी हुई हैं। संयोजक पद की पेशकश नीतीश कुमार ने ठुकरा दी, जेडीयू का यह कदम भी एक टूटन का ही प्रतीक है। भले ही मल्लिकार्जुन खरगे को इंडिया का अध्यक्ष बनाकर इस टूटन को ढंकने की कोशिश हुई है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में बने मतभेद छुप नहीं पा रहे। समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव ने सार्वजनिक तौर पर कहा था कि यात्रा से पहले सीटों का बंटवारा हो जाना चाहिए। जाहिर है, सहयोगी दलों के मन में कही न कहीं यह भाव भी है कि यात्रा के जरिए अगर देश का माहौल कांग्रेस या राहुल गांधी के पक्ष में बना तो उसका लाभ विपक्षी दलों को कैसे मिलेगा? जाहिर है इंडिया गठबंधन के दल कांग्रेस की चालाकी एवं चतुरता को महसूस कर रहे हैं। सत्ता पक्ष एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कोई कमजोरी फ़िलिहाल तो विपक्ष एवं कांग्रेस के पास नहीं है जिसे पकड़ कर इस यात्रा में हल्ला मचाया जाए, जनाधार बटोरा जाये। उल्टे अयोध्या और श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के कारण सत्ता पक्ष मज़बूत होता जा रहा है और इसके निमंत्रण को ठुकरा कर कांग्रेस एवं विपक्षी दलों ने अपने पांवों पर खुद कुल्हाड़ी चला दी है। यदि कांग्रेस या विपक्षी दल इस समारोह में भाग लेते तो उन पर लगा श्रीराम-विरोध एवं हिन्दू-विरोध का तगमा नहीं लगता, भाजपा का जनाधार का विस्तार भी निश्चित ही कुछ कम होता। राजनीति तो ऐसे अवसरों को पकड़ लेने का ही खेल है।

परिवार एवं व्यक्तिवादी सोच कांग्रेस की विडम्बना एवं विसंगति है। वास्तव में कांग्रेस में वही होना है, जो राहुल गांधी चाहेंगे। यह स्वाभाविक है कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से राहुल गांधी कांग्रेस के पक्ष में चुनावी माहौल बनाने की कोशिश करेंगे। इसमें वह कितना कामयाब होते हैं, यह बहुत कुछ इस पर निर्भर करेगा कि उनकी ओर से किन मुद्दों को उभारा जाता है और उन पर क्या कहा जाता है? यह तो तय है कि राहुल गांधी भाजपा और विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को निशाने पर रखेंगे, लेकिन ऐसा करते हुए वह यदि जनता का ध्यान आकर्षित करने के साथ कोई नया विमर्श खड़ा नहीं कर पाते तो बात बनने की बजाय बिगड सकती है। राहुल गांधी की समस्या यह है कि वह मोदी सरकार की आलोचना तो खूब करते हैं, लेकिन देश के समक्ष उपस्थित समस्याओं के समाधान का कोई प्रभावी तरीका नहीं बता पाते। राहुल गांधी देश को क्या जोड़ेंगे जब उनका इंडिया गठबंधन ही एकजुट नहीं हो पा रहा है। कांग्रेस नेता मानें या न मानें भारत जोड़ो न्याय यात्रा की सफलता की सबसे बड़ी कसौटी विपक्ष की एकजुटता एवं चुनावी प्रदर्शन को ही माना जाएगा। इस लिहाज से न्याय यात्रा के साथ ही कांग्रेस को इंडिया गठबंधन के मोर्चे पर भी तेजी से अपने राजनीतिक कौशल को आगे बढ़ना होगा। सीटों के बंटवारे के साथ न्यूनतम साझा कार्यक्रम को अंतिम रूप देने का काम भी जितनी जल्दी निपटाया जाएगा, मतदाताओं को अपनी एकजुटता का यकीन दिलाने में उतनी आसानी होगी। ऐसा हो गया तो इस यात्रा की सबसे बड़ी सफलता होगी।

कांग्रेस भले ही न्याय यात्रा को उद्देश्य देश में फासीवादी ताकतों को रोकने, लोकतंत्र, संविधान को बचाने और भावी पीढियों के जीवन और कैरियर के निर्माण के लिए बता रही है। यात्रा लोगों के लिए न्याय की मांग, रोजगार की कमी, बढ़ती कीमतों, अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई, सरकारी कंपनियों को बंद करने और बेचने के खिलाफ है। वहीं किसानों को उचित मूल्य दिलाने तो महिला पहलवानों और अन्य लोगों को न्याय दिलाने के लिए है। मणिपुर की हिंसा को लेकर प्रधानमंत्री के उदासीन और असंवेदनशील होने की बात उठाते हुए कांग्रेस भूल रही है कि ये ऐसे मुद्दे हैं जिन पर मोदी सरकार ने ही सबसे ज्यादा ध्यान दिया है। लगता है राहुल गांधी मोदी विरोध एवं राष्ट्रीय ज्वलंत मुद्दों को उठाने के नाम पर देश के विरोध पर उतर जाते हैं। राहुल गांधी इस तरह का आचरण इसीलिए करते हैं, क्योंकि उन्हें शासन संचालन, राजनीतिक परिपक्वता के तौर-तरीकों का कोई अनुभव नहीं। पूरा विपक्ष यह नहीं समझ पा रहा है कि सत्ताधारी दल के विरोध और देश के विरोध के बीच फर्क है। सत्ताधारी दल का विरोध करना स्वाभाविक है, लेकिन उस लकीर को नहीं पार करना चाहिए, जिससे वह देश का विरोध बन जाए। राहुल गांधी के लिये सरकार और राष्ट्र के विरोध के बीच अंतर समझना आवश्यक है और अपनी इस यात्रा में वे इस तरह का विवेक एवं समझदारी प्रदर्शित कर पाये तो इससे कुछ हासिल हो सकता है।

2024 Hyundai Creta इन मामलों में रह गई Kia Seltos से पीछे, खरीदने से पहले जान लीजिए

2024 Hyundai Creta और Kia Seltos में लगभग समान स्टैंडर्ड फीचर्स दिए गए हैं। क्रेटा फेसलिफ्ट और सेल्टोस द्वारा साझा किए गए समान स्पेक्स में 10.25-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट और 10.25-इंच पूरी तरह से डिजिटल डिस्प्ले शामिल हैं जिनमें से बॉट को डुअल स्क्रीन सेटअप में इंट्रीगेट किया गया है। दोनों एसयूवी में फ्रंट सीट वेंटिलेशन पावर्ड ड्राइवर सीट एम्बिएंट लाइट्स पैनोरमिक सनरूफ और BOSE प्रीमियम साउंड सिस्टम मिलता है।

नई दिल्ली। Hyundai Motor India ने भारतीय बाजार में 2024 Hyundai Creta Facelift को लॉन्च कर दिया है। अपने नए अवतार में, क्रेटा 2024 एसयूवी सेगमेंट में अपने प्रतिद्वंद्वियों को मात देने के लिए डिजाइन, इंजन और फीचर्स में बड़े बदलाव के साथ आती है। बाजार में इसका सीधा मुकाबला Kia Seltos से है। आइए, इन दोनों SUVs की कीमतों, फीचर्स, इंजन और माइलेज के बारे में जान लेते हैं।

स्पेसिफिकेशन

नई क्रेटा और सेल्टोस में लगभग समान स्टैंडर्ड फीचर्स दिए गए हैं। क्रेटा फेसलिफ्ट और सेल्टोस द्वारा साझा किए गए समान स्पेक्स में 10.25-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट और 10.25-इंच पूरी तरह से डिजिटल डिस्प्ले शामिल हैं, जिनमें से बॉट को डुअल स्क्रीन सेटअप में इंट्रीगेट किया गया है।

दोनों एसयूवी में फ्रंट सीट वेंटिलेशन, पावर्ड ड्राइवर सीट, एम्बिएंट लाइट्स, पैनोरमिक सनरूफ और BOSE प्रीमियम साउंड सिस्टम मिलता है। इसके अलावा दोनों ही एसयूवी का इंजन, ट्रांसमिशन ऑप्शन, माइलेज और फ्यूल टाइप एक जैसा ही है।

Kia Seltos इन मामलों में है बेहतर

सेल्टोस के एक्स-लाइन संस्करण पर किआ द्वारा पेश किया गया हेड-अप डिस्प्ले है। इस वेरिएंट में 18-इंच के अलॉय व्हील भी मिलते हैं, जो क्रेटा के साथ पेश किए गए 17-इंच के व्हील से बड़े हैं। हुंडई एसयूवी में वेरिएंट के आधार पर सेल्टोस की तरह मल्टीपल अपहोल्स्ट्री विकल्प भी नहीं मिलते हैं।

कीमत

2024 Hyundai Creta Facelift को आप 10.99 लाख रुपये की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत पर खरीद सकते हैं। वहीं, Kia Seltos Facelift को 10.99 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर खरीदा जा सकता है। हुंडई क्रेटा इस तरह सेल्टॉस से 10 हजार रुपये महंगी है।

होंडा NX500 ADV की प्री-बुकिंग हुई शुरू

भारतीय बाजार में लेगी CB500X की जगह

Honda NX500 एडवेंचर टूरर को इच्छुक ग्राहक अपने नजदीकी बिगविंग डीलरशिप के माध्यम से बुक कर सकते हैं। हालांकि इसकी बुकिंग के लिए टोकन अमाउंट की घोषणा अभी तक नहीं हुई है। आपको बता दें कि Honda NX500 लाइनअप में CB500X की जगह लेगी जिसे अब बंद कर दिया गया है। आइए इसके बारे में विस्तार से जान लेते हैं।

नई दिल्ली। Honda ने EICMA 2023 में NX500 एडवेंचर टूरर को पेश कर दिया है। इसके साथ ही लोग चाहते हैं कि होंडा अपनी इस मोटरसाइकिल को भारतीय बाजार में लॉन्च करे। हाल ही में खबर आई है कि डीलर एंड से इस एडवेंचर टूरर के लिए प्री-बुकिंग शुरू कर दी गई है।

Honda NX500 को ऐसे करें बुक

Honda NX500 एडवेंचर टूरर को इच्छुक ग्राहक अपने नजदीकी बिगविंग डीलरशिप के माध्यम से बुक कर सकते हैं। हालांकि इसकी बुकिंग के लिए टोकन अमाउंट की घोषणा अभी तक नहीं हुई है। आपको बता दें कि Honda NX500 लाइनअप में CB500X की जगह लेगी जिसे अब बंद कर दिया गया है।

इंजन स्पेसिफिकेशन

Honda NX500 उसी 471 सीसी, लिक्विड-कूल्ड पैरेलल-ट्विन इंजन का उपयोग करती है, जो CB500X पर ड्यूटी कर रहा था। ये 8,600 आरपीएम पर 46.5 बीएचपी की अधिकतम पावर और 6,500 आरपीएम पर 43 एनएम का पीक टॉर्क आउटपुट देता है।

फीचर्स

NX500 को 5-इंच TFT स्क्रीन दी गई है। इसमें कस्टमाइजेबल लेआउट, स्पीडोमीटर, टैकोमीटर, क्लॉक और गियर शिफ्ट इंडिकेटर मिलता है। मोटरसाइकिल पर सारे लाइटिंग एलीमेंट एलईडी यूनिट हैं। इसके अलावा, इसमें एक इमरजेंसी स्टॉप सिग्नल और होंडा रोडसिंक फंक्शनलिटी है।

हीरो Mavrick X440 का Exhaust Note हुआ टीज, बेहतरीन इंजन और दमदार आवाज के साथ 23 जनवरी को मारेगी एंट्री

Hero MotoCorp ने 23 जनवरी को अपनी नई मोटरसाइकिल लॉन्च करने की तैयारी की है। कंपनी ने इसे Mavric नाम दिया है और ये Harley-Davidson X440 से अपना बेस साझा कर रही है। हाल ही में 2 नई टीजर इमेज और डिजाइन स्केच शेयर करने बाद इसका Exhaust Note जारी किया है। आइए सामने आई अन्य डिटेल्स के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। Hero Motocorp की ओर से 23 जनवरी को उसकी फ्लैगशिप मोटरसाइकिल Mavric X440 लॉन्च की जाएगी। कंपनी ने इसको लेकर तैयारियां भी पूरी कर ली हैं। हीरो मावरिक अपने बेस को हार्ले-डेविडसन X440 के साथ साझा करेगी। कंपनी ने अभी इसके एग्जॉस्ट नोट के साथ कुछ महत्वपूर्ण जानकारी साझा की हैं।

डिजाइन

Mavric 440 एक रोडस्टर की तरह दिखती है इसमें एच-आकार के डेटाइम रनिंग लैंप के साथ एक नया एलईडी हेडलैंप दिया गया है। इसमें श्राउड और सिंगल-पीस सीट के साथ एक मांसल दिखने वाला फ्यूल टैंक दिया गया है। Hero Mavric कुल मिलाकर X440 की तुलना में अधिक टेकी नजर आ रही है। कंपनी द्वारा अपनी इस फ्लैगशिप मोटरसाइकिल की दम पर युवा ग्राहकों को टार्गेट किया जाएगा।

इंजन

Hero Mavric 440 को पावर उसी इंजन से मिलती है, जो X440 पर काम कर रहा है। यह 440 सीसी का सिंगल-सिलेंडर इंजन है, जो ऑयल-कूल्ड है। यह 27 bhp की अधिकतम पावर और 38 Nm का पीक टॉर्क पैदा करता है। इंजन को 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। उम्मीद है कि हीरो मावरिक की विशेषताओं के अनुरूप इंजन और गियरिंग को फिर से तैयार करेगा।

ओला ने पेश किया MoveOS 4, एंटी थेफ्ट अलार्म के साथ मिले कई नए फीचर्स; ऐसे करें डाउनलोड और इंस्टॉल

100 से अधिक फीचर्स से भरपूर MoveOS 4 सॉफ्टवेयर अपडेट कई सेगमेंट-फर्स्ट फीचर्स से लैस है। ये नवीनतम सॉफ्टवेयर S1 X को छोड़कर सभी ओला इलेक्ट्रिक स्कूटरों पर डाउनलोड किया जा सकता है। MoveOS में एक और फीचर अपडेट एंटी-थेफ्ट अलार्म के रूप में दिया गया है। आइए जान लेते है कि इसे किस तरह से डाउनलोड और इंस्टॉल किया जा सकता है।

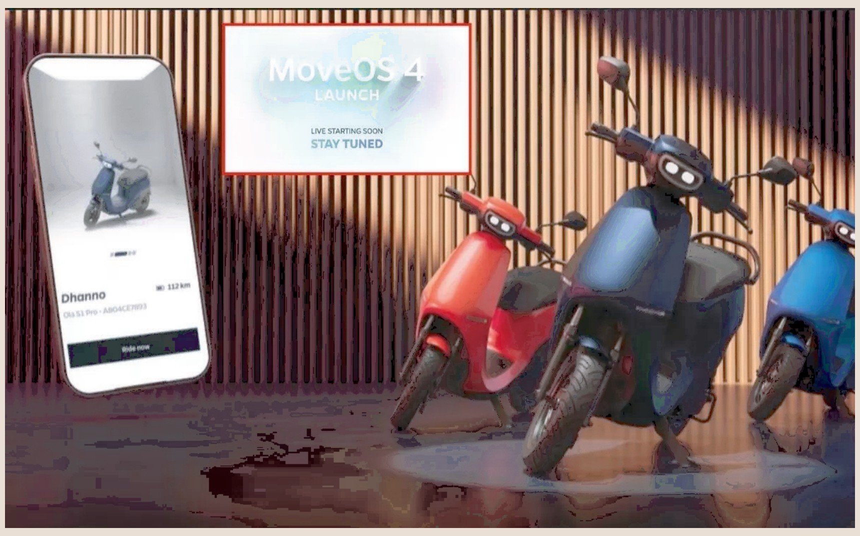

नई दिल्ली। ओला इलेक्ट्रिक ने (18 जनवरी) आधिकारिक तौर पर अपने इलेक्ट्रिक स्कूटरों के लिए MoveOS 4 सॉफ्टवेयर अपडेट लॉन्च किया है। भारत की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक दोपहिया निर्माता अगले सात दिनों के भीतर OTA अपडेट के माध्यम से MoveOS 4 सॉफ्टवेयर का रोल आउट पूरा कर लेगी।

MoveOS 4 में मिले ये नए फीचर्स

100 से अधिक फीचर्स से भरपूर MoveOS 4 सॉफ्टवेयर अपडेट कई सेगमेंट-फर्स्ट फीचर्स से लैस है। ये नवीनतम सॉफ्टवेयर S1 X को छोड़कर सभी ओला इलेक्ट्रिक स्कूटरों पर डाउनलोड किया जा सकता है। मूव ओएस 4 को भी पिछले महीने लॉन्च किया जाना था, लेकिन इसमें देरी हो गई।

नवीनतम मूवओएस अपडेट में ओला मैप्स दिया गया है। आंतरिक रूप से डेवलप्ड, नया नेविगेशन सिस्टम अपने ग्राहकों की सुविधा के लिए ओला के अपने हाइपरचार्जर नेटवर्क को इंटीग्रेट करता है। ये Find my scooter और Share location from app जैसे फीचर्स से लैस है।

एंटी-थेफ्ट अलार्म

MoveOS में एक और फीचर अपडेट एंटी-थेफ्ट अलार्म के रूप में दिया गया है। ओला का कहना है कि उसने इसे इस तरह से ट्यून किया है कि यह ई-स्कूटर चुराने के हर संभावित तरीके को नाकाम कर सकता है। ओला ने वह सुविधा भी जोड़ी है जो उसके ग्राहकों को बायोमेट्रिक ऐप लॉक सक्षम करने की अनुमति देती है। एप्लिकेशन को खोलने के लिए राइडर को चेहरे या उंगली का उपयोग करना होगा।

Ola MoveOS 4 कैसे होगा डाउनलोड और इंस्टॉल

मौजूदा ओला सॉफ्टवेयर को डाउनलोड या अपडेट करने की प्रक्रिया में तीन आसान स्टेप्स शामिल हैं। इसके लिए आपको वाईफाई से कनेक्ट करके ओला इलेक्ट्रिक ऐप का उपयोग करना होगा। एक बार कनेक्ट होने के बाद, सिस्टम सेटिंग्स के अंतर्गत ऑटो-डाउनलोड फीचर चालू करें। डाउनलोड पूरा होने के बाद अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर पर MoveOS 4 प्राप्त करने के लिए इंस्टॉल पर क्लिक करें।

खुशी के दाम

पी.के. खुराना

खुशियों का मूल मंत्र बस इतना-सा ही है। इससे भी आगे बढक़र देखें तो खुशी एक ऐसी जरूरत है जिसके लिए पैसे खर्च नहीं होते। गर्मियों में शीतल हवा में बैठना और सर्दियों में गुनगुनी धूप में बैठकर विटामिन-डी लेना मुफ्त है। पेड़-पौधों, फूलों-पत्तियों का आनंद लेना मुफ्त है। किसी को गले लगाना मुफ्त है। किसी को दो मीठे बोल बोल देना मुफ्त है। किसी की बात सुन लेना मुफ्त है। सैर करना मुफ्त है। कसरत करना मुफ्त है। प्राणायाम मुफ्त है। ध्यान करना मुफ्त है। अपनी छोटी-छोटी सफलताओं पर खुश होना मुफ्त है। अपने बच्चों की देखभाल करना, उन्हें समय देना, उनकी प्यारी-प्यारी बातें सुनना मुफ्त है। अपने लक्ष्य की तरफ टिके रहना मुफ्त है। खुश रहना और खुश रखना मुफ्त है'

एक अध्ययन से स्पष्ट हुआ है कि देश में हर सात में से एक भारतीय गंभीर मानसिक बीमारी से पीड़ित है। इस अध्ययन के मुताबिक 2017 में प्रत्येक सात में से एक भारतीय अलग-अलग तरह के मानसिक विकारों से पीड़ित रहा जिसमें अवसाद और व्यग्रता सर्वाधिक प्रमुख थे। मानसिक विकार के कारण शरीर में होने वाली बीमारियां 1990 से 2017 के बीच दोगुनी हो गईं। इन मानसिक विकारों में अवसाद, व्यग्रता, विकास संबंधी अज्ञात बौद्धिक विकृति, आचरण संबंधी विकार आदि शामिल हैं। अवसाद और व्यग्रता सबसे आम मानसिक विकार हैं और उनका प्रसार भारत में बढ़ता जा रहा है और दक्षिणी राज्यों तथा महिलाओं में इसकी दर ज्यादा है। अध्ययन में कहा गया कि अधेड़ लोग अवसाद से ज्यादा पीड़ित हैं। अवसाद का संबंध भारत में आत्महत्या के कारण होने वाली मौतों से भी है। इसके अलावा इस अध्ययन में सामने आई सबसे दिलचस्प बात बाल्यावस्था में मानसिक विकारों के बोझ में सुधार की धीमी गति और देश के कम विकसित राज्यों में आचरण संबंधी विकार हैं, जिसकी ठीक से जांच-पड़ताल किए जाने की जरूरत है।

> एक अध्ययन से स्पष्ट हुआ है कि देश में हर सात में से एक भारतीय गंभीर मानसिक बीमारी से पीड़ित है। इस अध्ययन के मुताबिक 2017 में प्रत्येक सात में से एक भारतीय अलग-अलग तरह के मानसिक विकारों से पीड़ित रहा जिसमें अवसाद और व्यग्रता सर्वाधिक प्रमुख थे। मानसिक विकार के कारण शरीर में होने वाली बीमारियां 1990 से 2017 के बीच दोगुनी हो गईं। इन मानसिक विकारों में अवसाद, व्यग्रता, विकास संबंधी अज्ञात बौद्धिक विकृति, आचरण संबंधी विकार आदि शामिल हैं।

स्पष्ट है कि अधिकांश व्याधियों की जड़ आत्मग्लानि, क्रोध या अस्त-व्यस्तता जनित तनाव ही है और हमें एक समाज के रूप में आगे बढक़र इसके इलाज के लिए काम करने की आवश्यकता है। समस्या यह है कि चिकित्सा विज्ञान के पास इसका कोई पक्का इलाज नहीं है और इसके लिए जिस जानकारी की आवश्यकता है, वह देश में कम ही लोगों के पास है। गलाकाट प्रतियोगिता, दिखावे वाला जीवन, खानपान की अनियमितता आदि ने मिलकर हमारे जीवन में जहर घोल दिया है। आज के संदर्भ में यह एक महत्वपूर्ण सवाल है कि गलाकाट प्रतियोगिता का सामना कैसे किया जाए, कैसे अपनी पहचान बनाई जाए और इस प्रतियोगिता के बावजूद खुश कैसे रहा जाए? मेरा जवाब था कि प्रतियोगिता अच्छी बात है, लेकिन प्रतियोगिता किसी दूसरे से नहीं, बल्कि खुद से होनी चाहिए। हम सब में कुछ न कुछ खूबियां हैं और कुछ कमियां भी हैं, कुछ कमजोरियां भी हैं। हम अपनी कमियों को समझें, कमजोरियों को समझें और उन्हें दूर करने की कोशिश करें। मान लीजिए मुझमें दस कमियां हैं जो मुझे पता हैं तो मुझे पहले कोई एक कमी चुननी चाहिए, उस पर थोड़ा-थोड़ा काम करना चाहिए, धीरे-धीरे उससे छुटकारा पाना चाहिए, हर रोज बस एक प्रतिशत, एक प्रतिशत का बदलाव हर रोज, बस। युद्ध नहीं छेडऩा है, प्यार से, धीरे-धीरे उस कमी को दूर करना है। वजन कम करना हो तो पहले महीने एक किलो भी कम हो जाए तो बहुत बढिया है। यह नहीं होना चाहिए कि जिम जाना शुरू कर दिया, जॉगिंग शुरू कर दी, डाइट बदल दी और दो हफ्ते बाद तंग आ गए तो फिर से पिजा और बर्गर खाकर कोक पी लिया। युद्ध नहीं करना है, बस एक प्रतिशत का बदलाव लाना है हर रोज।

इससे समस्या हल हो जाएगी। समय लगेगा, मेहनत लगेगी, पर समस्या हल हो जाएगी। ऐसा करेंगे तो किसी और से प्रतियोगिता की आवश्यकता ही नहीं रह जाएगी, किसी अन्य से ईर्ष्या की भावना नहीं जगती और खुशियों का झरना अनायास ही फूट पड़ता है। रिश्तों में मजबूती लाने और मधुरता लाने के लिए यह समझना आवश्यक है कि लोग सिर्फ सोचते ही नहीं हैं, उनमें भावनाएं भी हैं। विचारों और भावनाओं का यह खेल ही हमारा जीवन बनाता है। हम लोगों के विचारों को ही न सुनें, उनकी भावनाओं को भी समझें। मेरा सदाबहार मंत्र 'सिर पर बर्फ, मुंह में चीनी' का आशय ही यही है कि हम सामने वाले की किसी बात पर फट पडऩे के बजाय हम अगर रुक जाएं, सामने वाले के शब्दों से आगे जाकर उनकी भावना को समझें, तो अक्सर हमारे विचार बदल जाते हैं, गिला खत्म हो जाता है और हमारी वाणी में अनायास ही मिठास आ जाती है। सवाल यह भी है कि हम खुशी (हैपीनेस) से आनंद (ज्वाय) और आनंद से परम आनंद (ब्लिस) की ओर कैसे बढ़ें, के जवाब में मैंने कहा कि पैसा कमाना जीवन के लक्ष्यों में से एक होना चाहिए, शिक्षित होना और सफलता पाना, नाम कमाना एक लक्ष्य होना चाहिए, पर यह सब कुछ नहीं है। जीवन के बहुत से सच विरोधाभासी हैं। पैसा इस विरोधाभास का सबसे बढिया उदाहरण है। पैसा जीवन में बहुत कुछ है, पर सब कुछ नहीं है। पैसे की कीमत बहुत है, पर जीवन का अंत होने वाला है तो पैसा एकदम अर्थहीन है। मृत्यु एक शाश्वत सत्य है और यह एक ऐसी दीवार है जिसके पार कुछ नहीं जा सकता, वहां धन की महत्ता समाप्त हो जाती है। यह सच हमें जितनी जल्दी समझ आ जाए उतना ही अच्छा। यह सच, सच होने के बावजूद हमारे लिए सिर्फ एक थ्योरी है, एक सिद्धांत मात्र है जो हमारे जीवन में नहीं उतरा। अगर यह सच समझ में आ जाए तो फिर हमारा जीवन हमेशा के लिए बदल जाता है और परिणाम यह होता है कि रंजिशें, दुश्मनियां, प्रतियोगिताएं, ईर्ष्या, गिला, गुस्सा आदि सब खत्म हो जाते हैं। सार यह है कि जब खुश रहना हमारी आदत बन जाए तो वह पहला चरण है, वह हैपीनेस है। जब हम दूसरों की खुशी की वजह बन जाते हैं तो वह आनंद है, ज्वाय है, वह दूसरा चरण है और जब हम यह समझ लेते हैं कि धन का महत्व एक सीमा तक ही है और सारी दूषित भावनाओं से मुक्त हो जाते हैं तो हम परमानंद की स्थिति पा लेते हैं। वह ब्लिस है।

खुशियों का मूल मंत्र बस इतना-सा ही है। इससे भी आगे बढक़र देखें तो खुशी एक ऐसी जरूरत है जिसके लिए पैसे खर्च नहीं होते। गर्मियों में शीतल हवा में बैठना और सर्दियों में गुनगुनी धूप में बैठकर विटामिन-डी लेना मुफ्त है। पेड़-पौधों, फूलों-पत्तियों का आनंद लेना मुफ्त है। किसी को गले लगाना मुफ्त है। किसी को दो मीठे बोल बोल देना मुफ्त है। किसी की बात सुन लेना मुफ्त है। सैर करना मुफ्त है। कसरत करना मुफ्त है। प्राणायाम मुफ्त है। ध्यान करना मुफ्त है। अपनी छोटी-छोटी सफलताओं पर खुश होना मुफ्त है। अपने बच्चों की देखभाल करना, उन्हें समय देना, उनकी प्यारी-प्यारी बातें सुनना मुफ्त है। अपने लक्ष्य की तरफ टिके रहना मुफ्त है। खुश रहना और खुश रखना मुफ्त है। हमने खुद ही जीवन को कंप्लीकेट कर लिया है, दुरुह बना लिया है, वरना जीवन बहुत सहज है, बहुत आसान है और खुश रहने का कोई मोल नहीं है। खुशी के कोई दाम नहीं हैं, खुश रहना सचमुच मुफ्त है। इसके विपरीत उदास होना मुफ्त नहीं है, क्रोध करना मुफ्त नहीं है, डर जाना मुफ्त नहीं है, चिंता में रहना मुफ्त नहीं है, डिप्रेशन में जाना मुफ्त नहीं है। इन सबसे सेहत खराब होती है, शरीर के सैल मर जाते हैं, इच्छाशक्ति कमजोर हो जाती है, दवाइयों का सहारा लेना पड़ जाता है। पॉजिटिव जीवन मुफ्त है, नेगेटिव जीवन में खर्च लगता है। यह पूरी तरह से हम पर निर्भर करता है कि हम कैसा जीवन चुनते हैं।

संपादक की कलम से

क्या 'राम मंदिर' सियासत है?

अयोध्या में प्रभु राम का प्राण-प्रतिष्ठा समारोह विशुद्ध रूप से 'धार्मिक' है। राम मंदिर से करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी है, लेकिन इस समारोह से भाजपा को 'राजनीतिक लाभ' होना निश्चित है। धार्मिक और राजनीतिक के अंतर को समझना अनिवार्य है। एक सांस्कृतिक, आध्यात्मिक आयोजन को 'राजनीतिक' करार देना अपरिपक्वता है। महज कोसते रहने से कांग्रेस को कुछ भी हासिल नहीं होगा। महात्मा गांधी ने 'राम राज्य', 'हिंद स्वराज' को व्यापक स्तर पर परिभाषित किया था, लेकिन वह भारत को 'हिंदू राष्ट्र' बनाने के खिलाफ थे। उनके दर्शन, उनकी आस्था और उनके राष्ट्रवाद को भारत ने गहराई से समझा और स्वीकार किया, नतीजतन वह 'महात्मा' बन पाए। कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद राहुल गांधी को यह आत्मसात करते हुए अयोध्या पर अपने विचार देने चाहिए। कांग्रेस की राजनीति और धार्मिकता को पुनः परिभाषित करना चाहिए। भाजपा की तरह बनना अथवा भाजपा के राष्ट्रीय, आस्थामयी मुद्दे की सपाट आलोचना करना भाजपा को ही सशक्त करना होगा। राहुल गांधी ने इस बार धर्म को जिस तरह परिभाषित किया है और राम मंदिर को आरएसएस-भाजपा का 'राजनीतिक कार्यक्रम' करार दिया है, उसने कांग्रेस को ही उघाड़ कर रख दिया है। शायद राहुल को जानकारी नहीं होगी अथवा उनके सलाहकार भी अनाड़ी होंगे कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अपनी हत्या से कुछ दिन पहले कहा था कि यदि कोई बाबरी मस्जिद को छूने की कोशिश करेगा, तो पहले उसे उन्हें मारना होगा। यह भी महत्त्वपूर्ण प्रसंग है कि राजीव गांधी ने 1989 में कांग्रेस का चुनाव-प्रचार फैजाबाद (तब अयोध्या का नाम) से शुरू किया था। कांग्रेस अध्यक्ष रहीं सोनिया गांधी ने 1998 से 2004 के बीच कई बार बयान दिए थे कि बाबरी मस्जिद का विध्वंस नहीं होना चाहिए था। यदि गांधी परिवार का कोई सदस्य सक्रिय राजनीति में होता, तो मस्जिद को ढहाने नहीं देता।

सोनिया गांधी ने यह भी कहा कि जब भी बाबरी मस्जिद की याद आती है, तो आंखों में आंसू आ जाते हैं। बहरहाल अब मस्जिद बनाम मंदिर के ऐसे बयान बेमानी हैं, क्योंकि संविधान पीठ के निर्णय के बाद भव्य राम मंदिर बन रहा है, लेकिन राहुल गांधी ने जिस तरह धर्म की व्याख्या की है और प्रभु राम की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा को महज एक राजनीतिक कार्यक्रम करार दिया है, वह उनका दोगलापन है। इसका भी एक तार्किक आधार है। राहुल गांधी बीते दिनों जब केदारनाथ धाम की यात्रा पर गए थे, तो उन्होंने ऐसा वस्त्र धारण किया था, जिस पर ओउम लिखा हुआ था। राहुल गांधी गुजरात चुनाव के दौरान 27 मंदिरों में गए, पूजा-पाठ किए, रुद्राक्ष धारण किए, मस्तक पर चंदन और अन्य लेप लगाए, तो उसे क्या कहेंगे? वह धर्म था अथवा धर्म के जरिए राजनीति करने का व्यवहार था! मध्यप्रदेश चुनाव के दौरान वह कमलनाथ के साथ एक मंदिर से बाहर आए थे, तो पूरी तरह धार्मिक लिबास और श्रृंगार में थे। ऐसे अवसरों पर उनका धर्म राजनीति से अलग क्यों नहीं रह पाता? राहुल गांधी को अपने कथन और व्यवहार में फर्क नहीं करना चाहिए, क्योंकि जनता उसी के आधार पर नेता और पार्टी की राजनीति को आंकती है। राम मंदिर को लेकर बहुत लंबा आंदोलन चला है और संघर्ष किया गया है। उसमें आरएसएस, विहिप और भाजपा के नेता और कार्यकर्ता ही शामिल थे। असंख्य लोगों ने बलिदान भी दिए। चूंकि अब संविधान पीठ के निर्णय से राम मंदिर बनाया जा रहा है, तो इस पर राजनीति करने से राहुल क्या हासिल करेंगे? उनके माता-पिता भी मस्जिद की चिंता करते रहे हैं, लेकिन जिन लुटेरों ने सनातन संस्कृति को नुकसान पहुंचाया और हजारों मंदिर, पूजास्थल ध्वस्त किए गए, उनकी चिंता कौन करेगा? यदि कांग्रेस राम मंदिर का सम्मान नहीं करना चाहती, तो फिर संघ परिवार को कोसने के मायने क्या हैं? क्या उससे मुस्लिम वोट बैंक पुख्ता होगा?

राय

वन संरक्षण नहीं, सियासत है

ये केवल एक मंदिर के पथ की सोलर लाइटें होतीं, तो भी वन विभाग की आक्रामकता कबूल की जाती, मगर यहां तो आस्था और मानवता की किश्तियां जलाई गईं। बिना किसी नीति और परंपरा के वन विभाग हिमाचल का ऐसा मालिक है जो राजनेताओं, नौकरशाहों, अधिकारियों और नागरिक समाज पर भारी है। हिमानी चामुंडा में धड़ाधड़ हिमानी चामुंडा को रोशन करतीं दर्जनों सोलर लाइटें उखाड़ देना साबित करता है कि हम किसी बड़े भ्रम में हैं कि अगर राज्य जंगल उगाने को नेक मानता है, तो उसके हर्जाने में हमारे भविष्य के लिए असफल, अन्यायपूर्ण तथा असंवेदनशील कसरतें लिख दी गई हैं। इस पर भी हिमाचल के कुछ स्वयंभू पर्यावरणविद सोचते हैं कि वे सृष्टि को यहीं से संवारेंगे। उनकी दलीलों का अर्थ अवैज्ञानिक, विकास के खिलाफ तथा मानव विरोधी है। उन्हें उजड़ती खेती, घटती जड़ी-बूटियों, जंगल के मनमाने कानून या अर्थपूर्ण वन नीति से कोई लेना-देना नहीं, बल्कि ये लोग इश्तिहार पर पर्यावरण बनाते हैं। अगर पर्यावरण या वन्य प्राणी संरक्षण में कोई स्थापित हिमाचली ग्रुप है, तो कितने अध्ययन या सर्वेक्षण रिपोर्ट सामने आई हैं। क्या किसी ने यह कभी सोचा कि अब पालतू या दुधारू पशु ऊंची धार की तरफ क्यों नहीं चढ़ते। किसी ने सोचा कि गांव की विरासत में जंगल की तस्वीर क्यों खूंखार हो गई। क्यों घर के आंगन तक जंगल का पहरा लग गया। हमारी विद्युत-जलापूर्ति परियोजनाओं के साथ जंगल का टकराव देखना है, तो प्रशासन की निहत्थी फाइलों पर वन विभाग खून चढ़ा देखना, कितनी शिद्दत से यह विभाग हिमाचल को कमजोर कर रहा है।

कितने दशक गुजर जाते हैं धर्मशाला के बस स्टैंड के विस्तार की फाइल को वन विभाग के जबड़ों से निकालने में और न जाने कितनी सदियां लगेंगी हमीरपुर की धूप-छांव में नया बस स्टैंड बनाने में। दरअसल वन विभाग की कार्यपद्धति में नेता और सत्ता लाभान्वित होने का मसाला ढूंढते हैं। पर्यावरणविद और न्याय के एक्टिविस्ट बन कर लोग हिमाचल के विकास की आंख में धूल झोंकना चाहते हैं। कमाल देखिए हर साल जंगल से निकल कर सूअर किसान की आलू, जिमीकंद और अरबी जैसी फसलों को चौपट करते हैं। वहां शिकायत केवल एक कृषि उत्पादक को करनी है, जबकि इस दर्द का हिसाब न महकमा करता है और न ही कोई पर्यावरणविद खड़ा होता है। हिमाचल की शहरी कालोनियों में सूख चुके पेड़ों से हर साल करोड़ों की संपत्तियां-गाडियां तबाह होती या उनके नीचे अपने जीवन को बर्बाद कर देने वाले नागरिकों के लिए कोई राहत नहीं। आम हिमाचली सोच सकता है कि उसके घर की छत पर जंगल की विरासत काम नहीं आती। वह तो टिंबर मार्किट से अंतरराष्ट्रीय लकड़ी के बाजार का एक छोटा सा खरीददार बन चुका है। जंगल में पेड़ टूट कर गल-सड़ रहे हैं, लेकिन महकमें के पास इससे आर्थिकी पैदा करने की फुर्सत नहीं। इसके बरअक्स नेताओं की खुशियों को देखो जो अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में इमारती लकड़ी से जंगलात के डाक बंगले को अवतार बनाते हैं। वन विभाग की कालोनियां या कार्यालय आखिर शहरों के पॉश एरिया में कर क्या रहे हैं। जिस दिन इन्हें जंगल के क्षेत्रफल में तमाम पेड़ों के बीच अपना आशियाना सजाने की शर्त रखी जाएगी, विभाग के अधिकारियों को मालूम हो जाएगा कि एक आम आदमी अपने घर, इलाके के विकास और जीवन शैली के लिए किस तरह और किस हद तक भटकता है। हिमानी चामुंडा के रास्ते से सोलर लाइटें हटाने का कुचक्र यह तर्क भी तो पैदा कर रहा है कि सुधीर शर्मा को हलाल करती सत्ता अब जनता को भी जलालत की हद तक ले आई है। जहां सोलर लाइट्स चमकती रही, वहां इसकी छांव केंद्रीय विश्वविद्यालय का जदरांगल परिसर भी तीस करोड़ की शर्त में धर्मशाला की जनता को मरोड़ रही है। यह मामला इतना भोला भी नहीं कि अवशेष मिल जाएं, इसके भीतर बाकायदा हड्डियां चबाकर सबूत छुपाए गए हैं।

अपने जन्मदिन की तलाश

भई जन्म दिवस तो बड़े आदमियों का मनाया जाता है। यह आपने क्या रोग पाल लिया? भला हो उन फेसबुक और इंटरनेट वालों का, यह किस भलेमानस को सूझी कि उसने फेसबुक पर हमारे पैदा होने की तारीख डाल दी। इस भीड़ भरे देश में जहां कि अनाज से अधिक बच्चों की पैदावार हो जाती है। पिछली सदी में लगाए गए परिवार नियोजन के नारों की तरक्की के बावजूद आज भी इस नई सदी में इसकी संख्या देश के लिए उतना ही बड़ा संकट है। अर्थशास्त्री जनाब मालथस साहिब कितना कहते रहे कि भई परिवार नियोजन कर लो, नहीं तो अगर यूं ही जनसंख्या वृद्धि करने से बाज न आए तो जहां तुम्हारा अन्न उत्पादन दो से चार से छह की गति से बढ़ेगा वहां तुम्हारे यहां बच्चों की पैदाइश दो से चार, चार से सोलह की गति से बढ़ती नजर आएगी। परिवार नियोजन नहीं किया तो कुदरती प्रतिबंध, अकाल, सूखा, भूकम्प, महामारी के लिए तैयार हो जाओ, क्योंकि कुदरत को तो रोटी और खाने वालों की संख्या में कोई न कोई संतुलन पैदा करके रखना ही है। पिछली सदी के मध्य में जब देश आजाद हुआ था, तो पहला काम नेताओं ने किया, वह यही था कि देश जैसे चलता है, चलता रहे लेकिन अकादमिक रूप से देश की बेहतरी के लिए बने सिद्धांतों को लागू करने में कोई कमी न रखो। कमी हुई भी नहीं। इस देश में दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बना देने की घोषणा के साथ पहला लक्ष्य रखो 'प्रजातान्त्रिक समाजवाद की स्थापना का।' यह दीगर बात है कि प्रजातन्त्र में मुखर अभिव्यक्ति के नाम पर कुछ ऐसे वाचाल लोग नेताओं का वेष धारण करके उभर आए जो हमारे जैसे लोगों से दावों, नारों और घोषणाओं के जरिये संवाद करते हैं। दावे जो वायवीय होते हैं, नारे जो दो हिस्सों में बंट कर पक्ष और विपक्ष का कोहराम मचा जलूसों, शोभायात्रओं या धरनों में तबदील हो जाते हैं और घोषणाएं जो ऊंचे स्वर में जनकल्याण से प्रतिबद्धता जताती हैं, लेकिन 'मारूं घुटना फूटे आंख' की तरह भला ऊंची अट्टालिकाओं या भव्य अटारियों का ही करती हुई नजर आती हैं।

फुटपाथी लोग तो पौन सदी पहले जहां बैठे थे, वहां के वहां ही अपना तकिया जमाए हैं। हां, इस बीच भारत विभाजन का सन्सैंतालीस का नजारा एक बार फिर से नजर आ गया। लोग तब जहां थे, वहां से उखड़ कर अजनबी धरती पर ठौर ठिकाना तलाश करने निकले थे, आज फिर वैसा हो गया। कहते हैं इतिहास अपने आपको दुहराता है। दुर्घटनाएं किसी घिसे हुए रिकार्ड की तरह बार-बार बजने की प्रवृत्ति रखने लगती हैं, अरे साहिब नहीं हुआ न। स्वर्णिम घटनाएं तो सोन चिड़ी की तरह हमारे आकाश से गायब रही, और कोविड या कोरोना के नाम से आयातित महामारी रोजी रोजगार तलाशते लोगों को उनकी जड़ों से उखाडऩे के लिए चली आई। जो लोग इस किसान देश में खेतीबाड़ी को जीने का ढंग न मान कर एक हानिकारक धंधा मान महानगरों और परदेस में रोटी रोजी की तलाश में चले आए थे, और इस नई जिंदगी में दोयम दर्जे के नागरिक की पहचान को अहोभाग्य मान कर जीने का मंसूबा बना रहे थे, उन्हें कोरोना के प्रकोप के साथ-साथ पधारे पूर्णबंदी के तालों ने अपनी जड़ों से उखाड़ दिया। वह पेट की रोटी और जीने की सांस तलाश करने के लिए गांव घरों की ओर लौटने लगे। उन्हीं गांव घरों की ओर जहां पहले ही छोटा किसान भूख, बीमारी और नाउम्मीदी के अंधकूप में जी रहा था और इस सर्व-ग्रासी अंधेरे से पलायन की सोच रहा था। उधर मालथस साहिब का कहा मान कर देश ने इजरायल के साथ दुनिया के उस पहले देश का दर्जा हासिल कर लिया था, जहां परिवार नियोजन एक सरकारी नीति के रूप में घोषित हो गया था। लीजिए जनाब पहले 'हम दो और हमारे दो' का नारा उठा, फिर उसे तरक्की देकर 'हम एक और हमारा एक' का नाम दे दिया गया।

सुरेश सेठ

गहन विचार

स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार की जरूरत

आज के दौर में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली के चलते लोग बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पतालों की ओर रुख कर रहे हैं, लेकिन वहां भी उन्हें डॉक्टरों की महंगी फीस, पर्ची और महंगी दवाइयों से राहत नहीं मिल रही है। लिहाजा यह समय का तकाजा है कि केंद्र और राज्य सरकारें आम भारतीय नागरिकों को सस्ती एवं सुविधाजनक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए स्वास्थ्य तंत्र में आमूलचूल बदलाव लाएं और लापरवाह चिकित्सकों से सख्ती करें

संभवतः सारी दुनिया में डॉक्टरों को भगवान का दर्जा दिया जाता है और अस्पताल एक ऐसी जगह है जहां बीमार और घायलों को इलाज के लिए लाया जाता है, तथापि अधिकतर सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में स्तरहीन उपचार एवं मरीजों को होने वाली परेशानियों के चर्चे खूब देखने-सुनने को मिलते रहते हैं। संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले मौलिक अधिकार में इलाज पाने का अधिकार भी शामिल है। सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि अगर मरीज के पास पैसे नहीं हैं तो भी डॉक्टर या अस्पताल उसका इलाज करने में न तो किसी तरह की देरी करेंगे और न ही इलाज करने से इनकार करेंगे, वहीं इंडियन मेडिकल काउंसिल के प्रोफेशनल कंडक्ट रेगुलेशन के तहत भी डॉक्टर किसी मरीज का इलाज करने से इनकार नहीं कर सकता है। लेकिन इसके बावजूद कई बार देखने में आता है कि प्राइवेट अस्पताल सीना ठोक कर मरीज को देखने से इंकार कर देते हैं तो सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर अपनी अकर्मण्यता एवं पीछा छुड़ाने की गर्ज के चलते मरीजों को बड़े अस्पतालों को रेफर कर देते हैं जिससे मरीजों की जान पर बन आती है। सरकार और स्वास्थ्य मंत्रालय को चाहिए कि वह इसे जांच का विषय बनाए कि डॉक्टरों ने बिना मरीज की स्वास्थ्य जांच किए और उसको बिना फस्ट एड दिए रेफर क्यों किया?

ऐसी शिकायतें भी बहुधा समाचार पत्रों अथवा सोशल मीडिया में देखने-पढऩे-सुनने को मिलती हैं जिसमें मरीज की मौत होने के बावजूद उसे वेंटिलेटर पर दिखाकर मुंहमांगी कीमत वसूली जाती है। इस प्रकार के सैंकड़ों किस्से भारत के हर कोने से सुनने-पढऩे को मिल जाएंगे। आम तौर पर सरकारी अस्पतालों के चिकित्सक मरीजों की पर्ची पर महंगी दवाइयां लिख देते हैं, जिससे गरीब लोगों की मुश्किलें बढ़ जाती हैं। अभी हाल ही में हिमाचल प्रदेश के एक बड़े स्वास्थ्य संस्थान टांडा मेडिकल कॉलेज में साफ-सफाई, बिजली, पानी, सोलर वाटर हीटिंग सिस्टम और अग्निशामक व्यवस्था जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं की बिगड़ी तस्वीरें सोशल मीडिया में देखने को मिली हैं। वर्ष 2021 तक की स्थिति के अनुसार भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र भारत के सबसे बड़े नियोक्ताओं में से एक है जो कुल 4.7 मिलियन लोगों को रोजगार प्रदान करता है। सन् 1950 में भारत में केवल 2717 अस्पताल थे, जबकि सरकार के आंकड़ों के मुताबिक इस समय देश में कुल 19817 सरकारी अस्पताल हैं तो वहीं प्राइवेट अस्पतालों की संख्या तकरीबन 80671 है। भारत का सबसे पुराना उत्कृष्ट स्वास्थ्य संस्थान एम्स दिल्ली है। इसकी आधारशिला 4 अप्रैल 1952 में रखी गई थी। इस समय भारत में लगभग 14 लाख चिकित्सक हैं, लेकिन डॉक्टर-पेशेंट रेशो में भारी अंतर है। भारत में प्रति 1700 मरीज पर एक डॉक्टर उपलब्ध है, जबकि डब्ल्यूएचओ के अनुसार इसका अनुपात 1 : 1000 होना चाहिए। वर्तमान समय में केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा स्वास्थ्य कवर संबंधी मुफ्त की योजनाएं भी प्रचलन में हैं ताकि गरीबों को भी उत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें।

हालांकि यह भी एक तथ्य है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत में मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पतालों की लगातार बढ़ती संख्या और तकनीकी रूप से विकसित हो रही चिकित्सा सहायता ने आज भारत को स्वास्थ्य और चिकित्सा पर्यटन के लिए विश्व में सबसे पसंदीदा स्थलों की सूची में ला दिया है। किसी भी देश की तरक्की में शिक्षा के साथ-साथ वहां के लोगों के उत्तम स्वास्थ्य को एक महत्वपूर्ण कारक माना जाता है। राष्ट्र के अच्छे स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने में स्वास्थ्य देखभाल एक प्रमुख भूमिका निभाती है। यूं तो गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में मरीज को भर्ती कराने के लिए तीमारदार की मंजूरी जरूरी है। रोगी खुद या उसका नजदीकी रिश्तेदार सहमति नहीं देता है तो मरीज आईसीयू में दाखिल नहीं होगा। लेकिन देखने में आता है कि प्राइवेट अस्पताल मरीज के परिजनों पर दबाव बनाकर कई तरह के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करवाकर उसे जबरदस्ती आईसीयू में भर्ती कर लेते हैं ताकि बाद में मरीज से मोटी फीस वसूली जा सके। भारत अभी भी अस्पतालों में मुख्य रूप से बिस्तरों की कमी से जूझ रहा है। यहां पर कोरोना की दूसरी लहर के समय लोगों को अस्पतालों में बिस्तर मिलने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ा था। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक प्रति 1000 लोगों पर 5 बिस्तर होने चाहिएं। इस मामले में अस्पताल में बेड का सबसे ज्यादा औसत पुडुचेरी में है, जबकि बिहार में यह औसत सबसे कम है।

इसी प्रकार सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार रेप पीड़िता और एसिड हमले के पीड़ित का डॉक्टर को फ्री इलाज करना होगा और दुष्कर्म पीड़िता की गोपनीयता को भी बरकरार रखना होगा। लेकिन हाल ही में हिमाचल प्रदेश में एक दुष्कर्म पीड़िता की चिकित्सा जांच कानून के विपरीत किए जाने पर प्रदेश हाई कोर्ट ने सिविल हॉस्पिटल पालमपुर के डाक्टरों पर पांच लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। रोचक तथ्य यह भी है कि देश के कई निजी अस्पतालों में पोस्टमार्टम की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इससे मरीज की मौत के बाद शव परीक्षण के लिए परिजन इधर-उधर भटकते रहते हैं। आज के दौर में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली के चलते लोग बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पतालों की ओर रुख कर रहे हैं, लेकिन वहां भी उन्हें डॉक्टरों की महंगी फीस, पर्ची और महंगी दवाइयों से राहत नहीं मिल रही है। लिहाजा यह समय का तकाजा है कि केंद्र और राज्य सरकारें आम भारतीय नागरिकों को सस्ती एवं सुविधाजनक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए स्वास्थ्य तंत्र में आमूलचूल बदलाव लाएं और लापरवाह एवं मरीजों से बदतमीजी करने वाले चिकित्सकों से सख्ती से पेश आए।

अनुज आचार्य

डब्ल्यूटीओ की बैठक में घरेलू खाद्य सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा भारत, 26 फरवरी से शुरू होगा 13वां मिनिस्ट्रियल कॉन्फ्रेंस

परिवहन विशेष न्यूज

विश्व व्यापार संगठन के 13वें मिनिस्ट्रियल कॉन्फ्रेंस में भारत घरेलू खाद्य सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करने जा रहा है। भारत किसी भी देश के दबाव में आकर खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम में कोई कटौती नहीं करने वाला है। वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक कोई भी देश अपनी घरेलू खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए खाद्य निर्यात पर प्रतिबंध लगा सकता है और भारत भी यही कर रहा है।

नई दिल्ली। विश्व व्यापार संगठन (WTO) के 13वें मिनिस्ट्रियल कॉन्फ्रेंस (MC) में भारत घरेलू खाद्य सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करने जा रहा है। भारत किसी भी देश के दबाव में आकर खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम में कोई कटौती नहीं करने वाला है। 164 सदस्य देशों वाले डब्ल्यूटीओ का 13वां एमसी आगामी 26-29 फरवरी को अबू-धाबी में होने जा रहा है।

WTO की सर्वोच्च बैठक है मिनिस्ट्रियल कॉन्फ्रेंस

इस सम्मेलन में विकसित देश भारत द्वारा गेहूं व चावल जैसे अनाज के निर्यात पर रोक लगाने के फैसले पर सवाल खड़ा कर सकते हैं। आस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड जैसे देश भारत के इस फैसले का पहले से विरोध कर रहे हैं। इन देशों का कहना है कि भारत के इस फैसले से वैश्विक स्तर पर अनाज की कीमत बढ़ रही है। मिनिस्ट्रियल कॉन्फ्रेंस डब्ल्यूटीओ की सर्वोच्च बैठक है।

भारत के फैसले को नहीं दी जा सकती चुनौती

वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय सूत्रों के मुताबिक, कोई भी देश अपनी घरेलू खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए खाद्य निर्यात पर प्रतिबंध लगा सकता है और भारत भी यही कर रहा है। इस फैसले को चुनौती नहीं दी जा सकती है।

सूत्रों के मुताबिक, डब्ल्यूटीओ के 13वें एमसी में भारत अनाजों के पब्लिक स्टाक होल्डिंग (PSH) पर स्थायी समाधान चाहता है और इसके बाद ही कृषि संबंधी किसी भी मुद्दे पर भारत बातचीत करने के लिए राजी होगा। भारत में किसानों से गेहूं व धान की खरीदारी सरकारी दरों पर की जाती है। कोरोना काल से पहले इन अनाज को राशन की दुकान से सस्ती दरों पर गरीबों को बेचा जाता था, लेकिन कोरोना काल से लेकर वर्तमान तक अनाज 80 करोड़ से अधिक गरीबों को मुफ्त में दिया जा रहा है। विकसित देशों को अनाज की खरीदारी व उसे सस्ती दर या मुफ्त में देने पर आपत्ति है। उनका कहना है कि इससे वैश्विक स्तर पर अनाज की पूरी सप्लाई चेन प्रभावित हो रही है।

1.4 अरब से अधिक लोगों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा भारत

मंत्रालय सूत्रों का कहना है कि भारत 1.4 अरब से अधिक लोगों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है, अगर ऐसा नहीं होता तो वैश्विक स्तर पर अनाज को लेकर मारामारी मच जाती, क्योंकि तब भारत की इतनी बड़ी आबादी के लिए अनाज की खरीदारी करनी पड़ती। विकसित देशों को भारत की तरफ से किसानों को खेती के लिए दी जाने वाली सब्सिडी पर भी आपत्ति है जबकि विकसित देश खुद भारत से कई गुना अधिक अपने किसानों को सब्सिडी देते हैं।

2024 के लिए भारत का सबसे मजबूत ब्रांड बना जियो: रिपोर्ट

ब्रांड फाइनेंस (Brand Finance) द्वारा प्रकाशित नवीनतम रिपोर्ट 'ग्लोबल-500 2024' के अनुसार जियो ब्रांड फाइनेंस की 2023 की रैंकिंग में भी भारत की सबसे मजबूत ब्रांड रही थी। इसने भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) और भारतीय स्टेट बैंक (SBI) जैसी कंपनियों से आगे है। लआईसी को सूची में 23वें स्थान पर रखा गया है इसके बाद एसबीआई 24वें स्थान पर है।

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज (Reliance Industries) की दूरसंचार और डिजिटल इकाई जियो (Jio) सबसे मजबूत भारतीय ब्रांड बनी हुई है। वह इस मामले में भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) और भारतीय स्टेट बैंक (SBI) जैसी कंपनियों से आगे है।

ब्रांड फाइनेंस (Brand Finance) द्वारा प्रकाशित नवीनतम रिपोर्ट 'ग्लोबल-500 2024' के अनुसार, जियो ब्रांड फाइनेंस की 2023 की रैंकिंग में भी भारत की सबसे मजबूत ब्रांड रही थी।

ब्रांड की रैंकिंग

इस साल की रैंकिंग में जियो को वीचैट, यूट्यूब, गूगल, डेलॉयट, कोका-कोला और नेटफ्लिक्स की अगुवाई वाली सूची में 88.9 के ब्रांड मजबूती सूचकांक के साथ दुनिया के सबसे मजबूत ब्रांडों में 17वें स्थान पर रखा गया है।

एलआईसी को सूची में 23वें स्थान पर रखा गया है, इसके बाद एसबीआई 24वें स्थान पर है। यह ईवाई और इंस्टाग्राम जैसे ब्रांड से आगे है।

रिपोर्ट में कहा गया, "दूरसंचार क्षेत्र में अपेक्षाकृत नई जियो सबसे मजबूत ब्रांड के रूप में उभरी है। इसका ब्रांड मूल्य उल्लेखनीय 14 प्रतिशत बढ़कर 6.1 अरब डॉलर होने के साथ ही उच्च ब्रांड शक्ति सूचकांक स्कोर 89.0 और संबंधित एएए ब्रांड रेटिंग भी है।"

एट विंग्स इवेंट में अकाशा एयर ने किया बड़ा ऐलान, अब कंपनी ने इतने प्लेन का दिया फ्रेश ऑर्डर

एयरलाइन कंपनी Akasa Air ने At Wings Event में एक बड़ा ऐलान किया है। एट विंग इवेंट हैदराबाद में आयोजित हो रहा है। कंपनी ने बताया कि उसनें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय ऑपेरशन के लिए 150 बोइंग 737 मैक्स प्लेन का ऑर्डर दिया है। कंपनी ने Aviation Industry में विस्तार के लिए यह कदम उठाया है। इस रिपोर्ट में विस्तार से जानते हैं।

नई दिल्ली। एयरलाइन कंपनी अकासा एयर (Akasa Air) विमानन बाजार (Aviation Industry) में विस्तार करने के लिए एक जरूरी कदम उठाया है। कंपनी ने हैदराबाद में आयोजित At Wings Event में ऐलान किया है कि उसने 150 बोइंग 737 मैक्स का ऑर्डर दिया है। यह विमान घरेलू और अंतरराष्ट्रीय ऑपेरशन के लिए इस्तेमाल होंगी।

कंपनी ने बताया कि उसकी ऑर्डप बुक्स में 150 फ्यूल-ईंधन जेट जोड़े है। इसमें 737-10 हवाई जहाज और अतिरिक्त 737-8-200 जेट शामिल हैं। अकासा एयर आने वाले वर्षों में अपने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क को बढ़ाने की योजना बना रही है।

अकासा एयर 2022 में शुरू हुआ था। कंपनी के बेड़े में 22,737 मैक्स जेट शामिल है। यह 18 डेसटिनेशन में संचालित होता है। अकासा एयर भारत के घरेलू बाजार में लगभग 4% हिस्सेदारी हासिल की है।

अकासा ने अपनी घोषणा में कहा कि कंपनी परिचालन के 17 महीनों के भीतर 200+ विमानों की मजबूत ऑर्डर बुक तक पहुंचने वाली पहली भारतीय एयरलाइन बनेगी। कंपनी द्वारा पहला बड़ा विमान ऑर्डर एयरलाइन के मजबूत विकास पथ और वित्तीय स्थिरता की पुष्टि करता है।

अकासा एयर नागरिक उड्डयन के इतिहास में परिचालन शुरू करने के 17 महीनों के भीतर 200 से अधिक विमानों की ऑर्डर बुक तक पहुंचने वाली एकमात्र भारतीय एयरलाइन बन गई है।

वर्ष 2021 में अकासा एयर ने 72 बोइंग 737 मैक्स विमानों का अपना प्रारंभिक ऑर्डर दिया। इसके बाद जून 2023 में 4 बोइंग 737 मैक्स 8 विमानों का ऑर्डर दिया गया। अकासा एयर वर्तमान में 22 विमानों का बेड़ा संचालित करती है।

सोना हुआ महंगा तो चांदी के कम हुए दाम, वायदा बाजार में जारी हुई गोल्ड की नई कीमतें

गुरुवार के लिए सोना-चांदी के नए रेट्स अपडेट हो गए हैं। वायदा बाजार की बात करें तो आज सोना और चांदी की कीमत में इजाफा हुआ है। सोने की कीमत 130 रुपये बढ़कर 61635 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।गुड रिटर्न के मुताबिक समाचार लिखे जाने तक सर्राफा बाजार में सोने की अलग-अलग शहरों में अलग-अलग रही। दिल्ली में सोने की कीमत 62770 रुपये/10 ग्राम दर्ज की गई है।

नई दिल्ली। गुरुवार के लिए सोना-चांदी के नए रेट्स अपडेट हो गए हैं। वायदा बाजार की बात करें तो आज सोना और चांदी की कीमत में इजाफा हुआ है।

सोने की कीमत 130 रुपये बढ़कर 61,635 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। चांदी वायदा गिरावट के साथ 71,596 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई।

वायदा बाजार में सोने की कीमत

वायदा कारोबार में गुरुवार को सोने की कीमत 130 रुपये बढ़कर 61,635 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर, फरवरी डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 130 रुपये या 0.21 प्रतिशत की तेजी के साथ 61,635 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें 7,034 लॉट का कारोबार हुआ।

वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में सोना वायदा 0.37 प्रतिशत बढ़कर 2,014.00 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस हो गया।

वायदा बाजार में चांदी की कीमत

नयी दिल्ली, 18 जनवरी (भाषा) प्रतिभागियों द्वारा अपना दांव कम करने से गुरुवार को चांदी की कीमत 27 रुपये गिरकर 71,429 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में, मार्च डिलीवरी के लिए चांदी अनुबंध 27 रुपये या 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 71,429 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया, जिसमें 27,464 लॉट का कारोबार हुआ।

वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में चांदी 0.18 प्रतिशत बढ़कर 22.71 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

आपके शहर में कितना चल रहा सोना-चांदी का रेट

गुड रिटर्न के मुताबिक, समाचार लिखे जाने तक सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें इस तरह हैं-

दिल्ली 62,770 रुपये प्रति 10 ग्राम
जयपुर 62,770 रुपये प्रति 10 ग्राम
पटना 62,670रुपये प्रति 10 ग्राम
कोलकाता 62,620 रुपये प्रति 10 ग्राम
मुंबई 62,620 रुपये प्रति 10 ग्राम
बेंगलुरु 62,620 रुपये प्रति 10 ग्राम
हैदराबाद 62,620 रुपये प्रति 10 ग्राम
चंडीगढ़ 63,770 रुपये प्रति 10 ग्राम
लखनऊ 63,770 रुपये प्रति 10 ग्राम

आपके पास भी है ये वाला क्रेडिट कार्ड? फ्री में रुक सकते हैं ताज और आईटीसी जैसे होटल्स में

क्रेडिट कार्ड कंपनियां ग्राहक को कई तरह के ऑफर देती है। कई कंपनियां ग्राहक को कैशबैक रिवॉर्ड प्वाइंट्स डिस्काउंट जैसे कई अतिरिक्त लाभ देती है। इसी तरह कई कंपनी ग्राहक को लक्चरी होटल में फ्री स्टे की भी सुविधा देती है। चलिए जानते हैं कि किन क्रेडिट कार्ड पर लक्चरी होटल में फ्री स्टे की सुविधा मिलती है?

नई दिल्ली। क्रेडिट कार्ड कंपनियां ग्राहकों को कई तरह के ऑफर देते हैं। इनका फायदा उठाकर आप कम कीमत में शॉपिंग कर सकते हैं। इसके अलावा जिन कार्ड पर आपको मूवी टिकट पर डिस्काउंट मिलता है वहां आप कम कीमत में मूवी देख सकते हैं।

इसके अलावा की क्रेडिट कार्ड पर आपको लक्चरी होटल में फ्री स्टे की भी सुविधा मिलती है। वहीं, कई कार्ड कंपनियां अपने ग्राहकों को एयर ट्रैवल की भी सुविधा देती है।

चलिए, इस आर्टिकल में आज हम आपको उन क्रेडिट कार्ड के बारे में बताएंगे जहां आप लक्जरी होटल में स्टे, गिफ्ट वाउचर के साथ अन्य लाभ भी उठा सकते हैं।

एचएसबीसी प्रीमियर मेटल क्रेडिट कार्ड

एचएसबीसी प्रीमियर मेटल क्रेडिट कार्ड (HSBC Premier Metal Credit Card) पर ग्राहकों को कई तरह के लाभ मिलते हैं। इसमें वेलकम ऑफर के तहत ताज होटल की एपीक्यूर मेंमरशिप (Epicure Membership) मिलती है। इसके अलावा इसमें 12,000 की वैल्यू का ताज एक्सपीरियंस गिफ्ट कार्ड (Taj Experience Gift Card) भी दिया जाता है।

इस कार्ड का इस्तेमाल करके अगर आप बुक माय शो (Book My Show) से टिकट बुक करते हैं तो आपको एक टिकट के साथ दूसरी टिकट फ्री में मिलती है। इस कार्ड पर अनलिमिटेड एयरपोर्ट लाउंज का एक्सेस भी दिया जाता है।

इस कार्ड की ज्वाइनिंग फीस 12,000 रुपये और एनुअल फीस 20,000 रुपये है।

सिटी प्रेसटीज क्रेडिट कार्ड

सिटी प्रेसटीज क्रेडिट कार्ड (Citi Prestige Credit Card) में ताज ग्रुप (Taj Group) और आईटीसी (ITC) होटल्स में रुकने पर 10,000 रुपये का फायदा दिया जाता है।

अगर इस कार्ड के जरिये 4 दिन लगातार होटल की बुकिंग करते हैं तब आपको एक दिन का फ्री स्टे भी मिलता है। इसके अलावा इस कार्ड में अनलिमिटेड लाउंज एक्सेस भी दिया जाता है।

एसबीआई ऑरम क्रेडिट कार्ड

एसबीआई ऑरम क्रेडिट कार्ड (SBI Aurum Credit Card) में कई तरह की सुविधा दी जाती है। इस कार्ड में अमेजन प्राइम, डिस्कवरी प्लस के साथ लेंसकार्ट गोल्ड का सब्सक्रिप्शन दिया जाता है।

इसके अलावा 40,000 रिवॉर्ड प्वाइंट (करीब 10,000 रुपये) का ज्वाइनिंग बेनिफिट भी मिलता है। एक साल में 10 लाख रुपये खर्च करने पर 10,000 रुपये का ताज वाउचर भी मिलता है।

एक नंबर पर कितने आधार कार्ड कर सकते हैं लिंक, यहां जानिए इस सवाल का सही जवाब

आधार कार्ड (Aadhaar Card) एक जरूरी डॉक्यूमेंट है। यह हमारे आईडी प्रूफ की तरह कई जगह पर इस्तेमाल किया जाता है। वर्तमान में सरकारी कामों के साथ गैर सरकारी कामों के लिए भी इसकी आवश्यकता होती है। आधार कार्ड को मोबाइल नंबर से लिंक करना अनिवार्य हो गया है। चलिए जानते हैं कि आप एक मोबाइल नंबर से कितने आधार कार्ड को लिंक कर सकते हैं?

नई दिल्ली। आधार कार्ड (Aadhaar Card) एक जरूरी डॉक्यूमेंट है। यह सरकारी के साथ गैर-सरकारी कामों में हमारे पहचान पत्र के तौर पर काम करता है। इस वजह से आधार को पहचान भी कहा जाता है। वर्तमान में सरकार के किसी योजना का लाभ लेने, सिम खरीदने, स्टॉक मार्केट में निवेश करने के लिए भी इसकी जरूरत होती है।

दरअसल, आधार कार्ड में 12 डिजिट का एक यूनिक नंबर होता है। इसमें व्यक्ति की डेमोग्राफिक और बायोमेट्रिक डिटेल्स होती है। इस वजह से कहा जाता है कि आधार नंबर किसी भी व्यक्ति के साथ शेयर नहीं करना चाहिए। अगर आप किसी को भी अपना आधार नंबर शेयर करते हैं तो यह आपके साथ धोखाधड़ी के खतरों को बढ़ा सकता है।

आधार से मोबाइल नंबर भी लिंक होता है। ऐसे में चलिए आज आपको बताते हैं कि एक मोबाइल नंबर से कितने आधार नंबर को लिंक कर सकते हैं।

एक नंबर से कितने आधार हो सकते हैं लिंक

यूआईडीएआई (UIDAI) के नियमों के अनुसार एक मोबाइल नंबर से कई आधार कार्ड को लिंक किया जा सकता है। अभी तक यूआईडीएआई ने इसको लेकर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है। इसका मतलब है कि आप एक मोबाइल नंबर से कई आधार कार्ड को लिंक कर सकते हैं।

आधार कार्ड को मोबाइल से लिंक कैसे करें

अगर आपने अभी तक आधार कार्ड को मोबाइल नंबर से लिंक नहीं किया है तो आपको यह काम जल्द से जल्द कर लेना चाहिए। चलिए, जानते हैं कि आधार कार्ड को मोबाइल से लिंक करने का प्रोसेस क्या है?

आधार कार्ड को मोबाइल से लिंक करने केलिए आपको अपने नजदीक के आधार केंद्र जाना होगा।

आधार केंद्र में आपको मोबाइल लिंक के लिए एक फॉर्म भरना होगा।

फॉर्म के साथ आपको कुछ जरूरी डॉक्यूमेंट अटैच करने होंगे।

मोबाइल लिंक के लिए आपको 50 रुपये का शुल्क भी देना होगा।

इसके बाद आधार से मोबाइल नंबर लिंक करने की रिक्वेस्ट दर् की जाएगी।

कुछ दिनों के बाद आपको मैसेज के जरिये पता चल जाएगा कि आपका मोबाइल नंबर आधार से लिंक हो गया है।

दरअसल, आधार कार्ड में 12 डिजिट का एक यूनिक नंबर होता है। इसमें व्यक्ति की डेमोग्राफिक और बायोमेट्रिक डिटेल्स होती है। इस वजह से कहा जाता है कि आधार नंबर किसी भी व्यक्ति के साथ शेयर नहीं करना चाहिए। अगर आप किसी को भी अपना आधार नंबर शेयर करते हैं तो यह आपके साथ धोखाधड़ी के खतरों को बढ़ा सकता है।

दिल्ली में लाखों लोगों को मिलेगी जाम से राहत, समय भी बचेगा; जल्द चालू होने जा रहा ये अंडरपास

वाहनों को आईपी डिपो के पास से लगभग डेढ़ किमी लंबा यू-टर्न नहीं लेना पड़ेगा। वाहन भैरो मार्ग अंडरपास से होकर सीधे रिंग रोड की तरफ जा सकेंगे। साथ ही इससे प्रगति मैदान टनल पर भी वाहनों का लोड कम होगा और यहां शाम को लगने वाला ट्रैफिक जाम भी कम होगा। अब अंडरपास शुरू हो जाने से लाखों लोगों को जाम से निजात मिलने वाली है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। पीडब्ल्यूडी द्वारा भैरो मार्ग पर बनाया जा रहा अंडरपास जल्द ही आवाजाही के लिए शुरू हो जाएगा। इस अंडरपास के शुरू होने के बाद रोज़ाना मध्य दिल्ली से यमुनापार व नोएडा जाने वाले लाखों वाहन चालकों को जाम से निजात मिलेगी और उनका क़ीमती समय बचेगा।

बचे को काम को जल्द पूरा करने का निर्देश

बृहस्पतिवार को पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने अंडरपास का निरीक्षण किया और अधिकारियों को जल्द से जल्द बचे हुए काम को पूरा कर इसे यातायात के लिए शुरू करने के निर्देश दिए। बता दें कि अंडरपास के शुरू होने के बाद मध्य और नई दिल्ली की ओर से रिंग रोड, यमुनापार पूर्वी दिल्ली, नोएडा आदि की ओर जाना आसान हो जाएगा। इसके लिए वाहनों को आईपी डिपो के पास से लगभग डेढ़ किमी लंबा यू-टर्न नहीं लेना पड़ेगा। वाहन भैरो मार्ग अंडरपास से होकर सीधे रिंग रोड की तरफ जा सकेंगे। साथ ही इससे प्रगति मैदान टनल पर भी वाहनों का लोड कम होगा और यहां शाम को लगने वाला ट्रैफिक जाम भी कम होगा।

अंडरपास से यात्रियों का बचेगा समय और ईंधन

आतिशी ने कहा कि आप सरकार का विजन है कि दिल्ली में लोगों को यातायात के लिए बेहतर रोड इंफ्रास्ट्रक्चर मिले। पीडब्ल्यूडी इस दिशा में प्रतिबद्धता से काम कर रही है। भैरो मार्ग अंडरपास भी इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। यहां असाधारण इंजीनियरिंग के साथ हमारी पीडब्ल्यूडी ने एक शानदार अंडरपास तैयार किया है। यह अंडरपास यात्रियों के समय और ईंधन दोनों की बचत करेगा। जल्द घर पहुंचकर लोग परिवार, अपनों के साथ समय बिता सकेंगे।

जलवायु के अनुकूल हो रहे डेंगू-चिकनगुनिया के मच्छर, बीमारियों का खतरा बढ़ा...

परिवहन विशेष न्यूज

जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ती ठंड और गर्मी का असर मच्छरों पर कम हो रहा है। मच्छर बदलती जलवायु के साथ अनुकूलन कर रहे हैं। फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के नए शोध के मुताबिक जलवायु परिवर्तन के चलते रोग फैलाने वाले मच्छर साल भर की समस्या बन सकते हैं। इसके अंडे बेहद गर्म या ठंड में भी जिंदा रहते हैं और बारिश के मौसम में इनमें से मच्छर निकल आते हैं।

नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ती ठंड और गर्मी का असर मच्छरों पर कम हो रहा है। मच्छर बदलती जलवायु के साथ अनुकूलन कर रहे हैं। फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के नए शोध के मुताबिक जलवायु परिवर्तन के चलते रोग फैलाने वाले मच्छर साल भर की समस्या बन सकते हैं। नेचर रिसर्च जर्नल में छपी रिपोर्ट के मुताबिक डेंगू फैलाने वाले एडीज मच्छर ने सर्द मौसम में भी जिंदा रहने की क्षमता विकसित कर ली है। इसके अंडे बेहद गर्म या ठंड में भी जिंदा रहते हैं और बारिश के मौसम में इनमें से मच्छर निकल आते हैं। वहीं हाल ही में वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में हुए एक शोध में सामने आया कि डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारियां फैलाने वाले एशियन टाइगर मच्छर (एडीज एल्बोपिक्टस) ने बढ़ती गर्मी को बर्दाश्त करने की क्षमता विकसित कर ली है। यहां तक कि गर्मियों में हीटवेव के दौरान भी ये मच्छर मर नहीं रहे हैं। ऐसे में वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले समय में पूरी दुनिया में मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ेगा।

इस सर्दी कश्मीर में क्यों नहीं हुई बर्फबारी, यहां जानें कारण

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। सर्दियों का मौसम कई लोगों को परेशान करता है, तो वहीं बहुत से लोग बेसब्री से सर्दियों के मौसम का इंतजार भी करते हैं। सर्दियों में बहुत से लोग बर्फ के साथ खेलने का मन बनाते हैं, यही कारण है की विंटर सीजन आते ही लोग कश्मीर और शिमला जैसे जगह पर स्नोफॉल देखने के लिए जाते हैं। हालांकि इस साल की सर्दी में बर्फ प्रेमियों को निराशा हाथ लगी है। दरअसल इस सीजन में गुलमर्ग समेत लगभग पूरे कश्मीर में बर्फ कहीं भी देखने को नहीं मिली। ऐसे में न सिर्फ पर्यटन बल्कि स्थानीय निवासी को भी मौसम के बदलाव से निराश हो रही है। वहीं मौसम में बदलाव को लेकर विशेषज्ञों ने भी चिंता जाहिर की है। उनका कहना है कि इस स्थिति के लिए अल-नीनो इफेक्ट और जलवायु परिवर्तन कारण हो सकता है। जिसकी वजह से कश्मीर में तापमान में बढ़ोतरी हुई है और बारिश भी नहीं है।

पूर्वी प्रशांत और मध्य सागर-

मौसम से जुड़ी अलीनानो एक विशेष घटना स्थित है, जो पूर्वी प्रशांत और मध्य सागर में समुद्र का तापमान सामान्य से ज्यादा होने पर बनती है। आसान शब्दों में कहा जाए तो इस स्थिति की वजह से तापमान काफी गर्म हो जाता है। यही कारण है की पूरी दुनिया में मौसम के पैटर्न को प्रभावित होना पड़ता है। भारत में यह मानसून प्रणाली को प्रभावित करता है। जिससे कि देश के बहुत से हिस्सों में बारिश कम होती है और अन्य जगह बाढ़ आ जाती है।

सदी का सबसे बड़ा सूखा-

उदाहरण के लिए पिछले साल उत्तर भारत में सदी का सबसे बड़ा सूखा पड़ा था। ऐसा तब हुआ जब उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश की वजह से विनाशकारी भूस्खलन दिए। यह घटनाएं भी जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ उन दिनों के प्रभाव की थी। वहीं क्लाइमेट में हुए बदलाव और अलनिनो इफेक्ट की वजह से देश का लोकप्रिय स्पोट गुलमर्ग इस साल सूखा पड़ा हुआ है। एक ऑनलाइन मौसम पोर्टल के मुताबिक, इस साल अभी तक कोई भी बर्फबारी नहीं देखी गई।

कश्मीर में बर्फबारी नहीं-

हालांकि यह पहली बार नहीं हुआ है कि कश्मीर में बर्फबारी नहीं है। आंकड़ों के मुताबिक 2016 और 1998 में भी गुलमर्ग में सूखा पड़ा था। कश्मीर समेत गुलमर्ग के अन्य हिस्सों में बारिश न होने की वजह से मुख्य कारण पश्चिमी विक्षोभ कमजोर रहा है। आसान भाषा में समझे तो इसका मतलब यह है कि पश्चिमी अरब सागर में कम वर्षा हुई, इसके अलावा अल नीनो का लगातार प्रभाव बर्फ गायब होने का एक कारण है। जिसकी वजह से अल नीनो और ग्लोबल वार्मिंग की वजह से पर्यावरण में सर्कुलर पैटर्न प्रभावित हुआ, जो बर्फबारी ना होने के कारण बन गया।

शाहपुरा में आयोजित हुआ विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर

सांसद,विधायक तथा जिला कलक्टर ने किया विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत जिले आयोजित कैंप का निरीक्षण किया गया

परिवहन विशेष न्यूज
अनूप कुमार शर्मा

शाहपुरा। आमजन को केंद्र सरकार की विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं से जोड़ने और उनके प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिले की ग्राम पंचायतों एवं शहरी क्षेत्र में लगातार विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में गुरूवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर शहरी क्षेत्र शाहपुरा में माननीय सांसद सुभाष बहेडिया, स्थानीय विधायक लालाराम बैरवा तथा जिला कलेक्टर टीकम चन्द बोहरा ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं विभागीय अधिकारियों को आवश्क दिशा निर्देश दिये।

निरीक्षण के दौरान स्थानिय विधायक ने आमजन को केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में अवगत करवाया एवं बीमा योजनाओं में परिवार एवं स्वयं की सुरक्षा के लिए जुड़ने का अनुरोध किया। इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए जा रहे हेल्थ चेकअप के बारे में जानकारी ली।

जिला कलेक्टर ने कैंप में मौजूद महिलाओं को उज्जवला गैस कनेक्शन का वितरण किया तथा केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रचार प्रसार की सामग्री भी लोगों को वितरित की और सभी विभागों द्वारा आमजन को योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित करने की व्यवस्थाओ को जायजा लिया। जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि कैंप आयोजन से पहले क्षेत्र में प्रमुखता से प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि आमजन बढ़ चढ़कर हिस्सा ले सके। आमजन को अधिकाधिक योजनाओ से लाभान्वित किया जाए।

इस मौके पर एसडीएम राजकेश मीणा, सीएमएच ओ घनश्याम चावला सहित विभिन्न आधिकारी व जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

दिल्ली में गणतंत्र दिवस की परेड के लिए कैसे बुक करें टिकट? जानें सबकुछ

टिकट बिक्री 10 जनवरी से शुरू हुई थी जो कि 25 जनवरी तक चलेगी। इसमें पहली पंक्ति की सीटें वीआईपी के लिए आरक्षित की गई हैं। परेड विजय चौक पर सुबह 10 बजे शुरू होगी इसके लिए सभी को साढ़े नौ बजे तक अपनी आरक्षित सीटों पर बैठ जाना होगा। दिल्ली सरकार ने नागरिकों के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों विकल्प रखे हैं।

नई दिल्ली। विजय चौक से लेकर नेशनल स्टेडियम तक 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड की टिकट ऑफलाइन के साथ-साथ अब ऑनलाइन भी खरीदी जा सकती हैं। देशभर के इच्छुक नागरिक रक्षा मंत्रालय के आमंत्रण वेब पोर्टल से ऑनलाइन टिकट बुक करके अपनी पसंद की सीट बुक कर सकते हैं और परेड का आनंद ले सकते हैं।

ऑनलाइन और ऑफलाइन से बुक कर सकते हैं टिकट

पोर्टल ऑनलाइन टिकट बुक करने के अलावा गणमान्य व्यक्तियों और उनके मेहमानों को ऑनलाइन पास जारी करने की सुविधा भी उपलब्ध करा रहा है। पोर्टल से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि गणतंत्र दिवस टिकट बुकिंग का मुख्य और सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य लोगों को सीटें उपलब्ध कराना है। वहीं, भारत पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी) के यात्रा काउंटर और दिल्ली पर्यटन विकास निगम (डीटीडीसी) के काउंटर से ऑफलाइन व उनकी आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन टिकट खरीदे जा सकते हैं। दिल्ली सरकार ने नागरिकों के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों विकल्प रखे हैं।

10 जनवरी से शुरू हुई थी टिकट बिक्री

वह अपनी पसंद के अनुसार टिकट बुक कर सकते हैं। वहीं, टिकट बिक्री 10 जनवरी से शुरू हुई थी जो कि 25 जनवरी तक चलेगी। इसमें पहली पंक्ति की सीटें वीआईपी के लिए आरक्षित की गई हैं। परेड विजय चौक पर सुबह 10 बजे शुरू होगी, इसके लिए सभी को साढ़े नौ बजे तक अपनी आरक्षित सीटों पर बैठ जाना होगा।

टिकट बुक करने के जरूरी

आधार कार्ड

मोबाइल नंबर

फोटो

टिकट का विवरण

श्रेणी -	कीमत-	सीट
आरक्षित -	500 -	एक आईडी पर एक टिकट, सबसे उत्कृष्ट दृश्य वाली सीट
अनारक्षित -	100 -	एक आईडी पर दो टिकट, अच्छे दृश्य वाली सीट

एसी कोच में भाकियू नेता ने जलाई आग सेंके हाथ

परिवहन विशेष।एसडी सेठी। संगम एक्सप्रेस ट्रेन के एसी कोच में किसान नेताओ को लगी ठंड तो अंगीठी जलाकर लगे सेंकने हाथ। आग की लपटों के बीच एसी कोच में भरे धुंए से बिलबिलाई सवारियों ने इसकी सूचना चुपके से रेल मंत्रालय को दी। तो रेल अधिकारियों में हडकंप मच गया। हंगामें की सूरत में आनन फानन में डिप्टी सीटीएम पुलिस बल को लेकर जैसे ही कोच में छापा मारा तो भाकियू के सैंकडों नेता जो एक रैली में भाग लेने जा रहे थे, उन्होंने नारे बाजी शुरू कर दी। तभी यात्रियों में से किसी ने हाथ तापने और नारे बाजी कर रहे उडधंगी कार्यकर्ताओ की बाकायदा वीडियो बना कर वायरल कर दी।वीडियो ने आग में घी का काम किया।इसके बाद रेल विभाग हरकत में आ गया। लेकिन आग जलाने वाले मेन लीडर फरार हो गए। ट्रेन में चैकिंग के दौरान किसान यूनियन के राष्ट्रीय परवक्ता और राकेश टिकैत के बेटे गौरव टिकैत, भाकियू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कुशल पाल आर्य भी कार्यकर्ताओ के साथ कोच में मौजूद थे। इस मामले में गौरव टिकैत से भी रेलवे अधिकारियों ने बात की तो उन्होंने आग वाले मामले को सिरे से नकार दिया। वहीं ट्रेन में बढते हंगामें और यात्रियों की बेचैनी के बीच ट्रेन को रवाना कर दिया गया।

श्रीराम दीपावली को लेकर तैयारियां जारी, अर्चना चिटनिस ने की मंदिर में साफ-सफाई

परिवहन विशेष न्यूज

बुरहानपुर। देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के आव्हान पर 14 जनवरी से चलाए जा रहे स्वच्छ तिर्थ अभियान अंतर्गत अपने बुरहानपुर में श्रीमती अर्चना चिटनिस (दीदी) ने ताप्ती तट स्थित राजघाट और ग्राम फोपनार में भोलेश्वर महादेव मंदिर सहित गांव के चैराहे की ग्रामीणजनों को साथ लेकर साफ-सफाई की।

ज्ञात रहे 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्रीराम जी की प्राणप्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में बुरहानपुर में ताप्ती नदी के तट पर 1 लाख 8 दीपक प्रज्वलित कर श्रीराम दीपावली का हर्षमय भव्य आयोजन किया जा रहा है। जिसके तारतम्य में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता व विधायक श्रीमती अर्चना चिटनिस (दीदी) द्वारा कार्यक्रम की व्यापक तैयारियां की जा रही है। नगरीय क्षेत्र में रास्तीपुरा, राजीव वार्ड, मालीवाडा, आलमगंज, सरदार पटेल वार्ड, इतवारा एवं शाहपुर सहित ग्राम फोपनार में रामभक्तों की विशाल बैठकें सम्पन्न हुई। जिसमें श्रीमती चिटनिस ने बताया कि अयोध्या में रामजन्म भूमि पर मंदिर निर्माण का उत्सव हम अपने बुरहानपुर में राजघाट पर हजारों रामभक्तों की उपस्थिति में 1 लाख 8 दीपक प्रज्वलित कर भव्य आतिशबाजी करते हुए 495 वर्षों उपरांत आक्रांताओं के कुकर्मों को मिटाने और स्वच्छ भारत की छवि विश्व में स्थापित करने का संकल्प प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पुनः दौहराएंगे।

श्रीमती चिटनिस ने कहा कि हमारी पीढी वो भाग्यशाली पीढी है जो रामलला को टेंट से भव्य मंदिर में प्रतिष्ठापित होते देख रहे है तो हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हम आवासहीन करोड़ो लोगों को पक्के मकान में मालिकाना हक के साथ जीवन यापन का सुख लेते हुए रामराज्य को साकार होता हुआ देख रहे है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023